स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी सम्पदा है। समय ही धन है।

न भय न भ्रष्टाचार, सिर्फ समाचार

निष्पक्ष मत

दैनिक, प्रातः कालीन | वर्षः 6 | अंकः 127 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 1 रुपए | भोपाल, शुक्रवार 12 जून 2026 | www.nishpakashmat.com

हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 का परिणाम शाम 4 बजे जारी होगा परीक्षा परिणाम

भोपाल संवाददाता

माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकेंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान

भोपाल संवाददाता

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में ÷विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025÷ के विभिन्न प्रावधानों एवं उसके संभावित प्रभावों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में विधेयक के प्रमुख प्रावधानों, उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, गुणवत्ता आश्वासन, मानकीकरण, प्रत्यायन व्यवस्था, नियामकीय सुधार, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

शिक्षा, श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम - मंत्री परमार

भोपाल संवाददाता

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि शिक्षा केवल विषयविद बनाने का साधन नहीं, बल्कि श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम है। शिक्षित और संस्कारित युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। मंत्री श्री परमार भोपाल स्थित सेज यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित ÷सेज करियर डे-2026÷ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में वर्ष 2024 से 2026 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित 4 हजार 500 से अधिक विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया तथा चयनित विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। मंत्री श्री परमार ने कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री ने दी उपलब्धियां की जानकारी

भोपाल - संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरूवार को नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में सभी वर्गों के विकास के लिए किए जा रहे विशेष प्रयत्नों से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि काउंसिल की बैठक में *विकसित भारत ङ्क2047* के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और रा*यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए सुशासन, समावेशी विकास, नवाचार और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में जानकारी दी कि प्रदेश को नक्सलवाद का खात्मा केंद्र सरकार द्वारा तय की गई समय-सीमा से पहले करने में सफलता मिली है। प्रदेश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज की जाएगी। युवाओं के विकास पर विशेष रूप से जोर रहेगा। इसके साथ ही प्रदेश में बहनों और बेटियों की उन्नति, कृषक कल्याण, नए मेडीकल कॉलेजों के माध्यम से उपचार कार्य को गुणवत्तापूर्ण बनाते हुए बेहतर कार्य हो रहा है। इसी तरह आरोग्य मंदिर सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आयुष्मान योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश अग्रसर है। नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन की तैयारी की गई है। पीएमश्री महाविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को अनेक संकायों और विषयों के अध्ययन से जोड़ा गया है। कौशल विकास और औद्योगिकीकरण के प्रयास तेज हुए हैं। देश में सबसे पहले पीएम मित्र पार्क की धार जिले में स्थापना हुई है, यहां शीघ्र ही इकाइयों द्वारा रिकार्ड समय में कार्य प्रारंभ हो रहा है। भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के वेस्ट को निष्पादित करने के साथ ही प्रदेश में जनकल्याण की दृष्टि से अनेक नए कार्य प्रारंभ करने पर ध्यान दिया जा रहा है। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में मुख्यत- *मूलभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल*, *उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास*, *स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण* एवं *सभी के लिए समानता और गरिमा* से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्विरोध निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को दी बधाई

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रत्याशियों श्री तरुण चुघ, श्री रजनीश अग्रवाल और श्री महेश केवट को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि तीनों निर्वाचित सदस्य राज्यसभा में जनता के हितों, जनभावनाओं और विकास से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से उठाएंगे और देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

सदस्य देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे

प्रदेशवासियों से मुख्यमंत्री डॉ यादव की अपील 14 जून को योग के ऑनलाइन सत्र में हर नागरिक हो शामिल

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त प्रदेशवासियों से ऑनलाइन योग सत्र में शामिल होने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने आज सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। आज अनेक राष्ट्र योग के महत्व को स्वीकार और अंगीकार कर चुके हैं। योग दिवस 21 जून पर अनेक आयोजनों के साथ ही 14 जून को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जा रहा है। बीस मिनिट के इस ऑनलाइन सत्र में कोई भी नागरिक हिस्सा ले सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ¯ 2026 के सातवें काउन्ट डाउन के अवसर पर

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 जून, 2026 को प्रातः 06¯15 बजे से 07¯35 बजे तक एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों एवं सामाजिक संगठनों से आग्रह किया है कि वे इस ऑनलाइन योग सत्र में अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनें और योग को अपनी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाएं।

टोल फ्री नंबर सुविधा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए टोल-फ्री नम्बर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से की गई अपील में कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर ÷घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग÷ के संकल्प के साथ अब हर घर योग को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाने में सहभागी बनें और स्वस्थ मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात सौजन्य भेंट

भोपाल- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्री तरूण चुघ, श्री रजनीश अग्रवाल एवं श्री महेश केवट ने गुरूवार को राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात सौजन्य भेंट की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री श्री राकेश शुक्ला, तीर्थ स्थान एवं मेला प्रधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोट गोटिया, वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री संजय नगायच, पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल एवं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों एवं विदेशी अतिथियों का अंगवस्त्रम से स्वागत किया।

राफेल पहले से अधिक घातक फ्रांस यात्रा में डील की तैयारी

दूसरे शब्दों में कहें तो विमान की आधी सामग्री भारत में बनी इस्तेमाल की जाए। लेकिन फरवरी में जब फ्रांस की रक्षा मंत्री सुखी कैथरीन वाउटरिन भारत आई थीं तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक के दौरान राफेल सौदे पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान राफेल विमान सौदे पर निर्णायक प्रगति होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि फ्रांस के साथ मेक इन इंडिया की शर्तों के तहत लड़ाकू विमानों के निर्माण को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। फ्रांस राफेल में आधी सामग्री स्वेदशी लगाने पर राजी हो सकता है। प्रधानमंत्री 13-18 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वे फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राफेल करार के ऐलान पर निगाहें हैं। भारत ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का औपचारिक निर्णय लिया है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की लागत से ये विमान खरीदे जाने हैं। इनमें से 18 विमान फ्रांस से उड़कर आने हैं जबकि 96 विमानों का निर्माण भारत में होना है। भारत चाहता है कि 96 विमानों का भारत में निर्माण मेक इन इंडिया के प्रावधानों के अनुरूप हो। यानी विमानों में न्यूनतम 50 फीसदी स्वदेशी सामग्री इस्तेमाल हो। दूसरे शब्दों में कहें तो विमान की आधी सामग्री भारत में बनी इस्तेमाल की जाए। राफेल सौदे पर चर्चा हुई थी। तब उन्होंने कहा कि वे 25-30 फीसदी सामग्री ही भारत में बना इस्तेमाल करेंगे लेकिन सिंह ने दो टूक कहा कि कम से कम 50 फीसदी भारतीय सामग्री का इस्तेमाल होना चाहिए जो मेक इन इंडिया की अहम जरूरत है। इसी के चलते तब सौदे को अंतिम रूप नहीं दिया जा सकता था, वर्ना तभी इसका ऐलान हो जाता क्योंकि राष्ट्रपति मैक्रों भी तब भारत में ही थे। लेकिन अब फिर से एक मौका बन रहा है। यदि प्रधानमंत्री की यात्रा तक यह समहति बन जाती है तो फिर करार का ऐलान भी इस दौरान हो सकता है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बुरी खबर

लापता तीनों भारतीय नाविकों की मौत अमेरिका ने पार की हदें

नई दिल्ली एजेंसी

ओमान की खाड़ी में मर्चेंट शिप एमटी सेटेबेलो पर हुए अमेरिकी हमले में तीनों भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। भारत ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पूरी रिपोर्ट पढ़ें। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बुरी खबर सामने आई है। ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की दुखद मृत्यु हो गई है। %सीमेंस यूनियन ऑफ इंडिया% ने समुद्री कंपनियों के हवाले से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना और हताहतों की पुष्टि की है। हमले का शिकार हुए कॉमर्शियल शिप %सेटेबेलो% पर मौजूद चालक दल के 24 भारतीय सदस्यों में से तीन लापता थे। खाड़ी क्षेत्र में लगातार गहराते विवाद के बीच इस घटना ने वहां काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता पैदा कर दी है। भारत ने इस मामले में अमेरिकी राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया, ÷पलाऊ के झंडे वाले जहाज रूबी सेटेबेलो पर हुई दुखद घटना के बारे में जानकर बहुत अफसोस हुआ। दुख की बात है कि शुरू में लापता बताए गए तीन भारतीय नाविकों में से दो के शव मिलने के बाद तीनों की मौत की पुष्टि हो गई है... मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बचाए गए क्रू सदस्यों को तुरंत वापस लाया जाए और मृतकों के शवों को भी जल्द से जल्द वापस लाया जाए ताकि उनका अंतिम संस्कार किया जा सके।÷

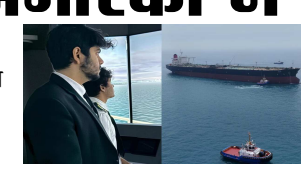

विदेश मंत्रालय और फॉरवर्ड सीमेंस यूनियन ऑफ इंडिया के मुताबिक, जिस जहाज को निशाना बनाया गया उसका नाम एमटी सेटेबेलो है और यह पलाऊ के झंडे वाला जहाज था। घटना के वक्त जहाज पर कुल 24 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर चलाए जा रहे सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में अब तक 21 भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। पहले निशाना बनाए गए एक अन्य जहाज के उलट एमटी सेटेबेलो जहाज अमेरिकी प्रतिबंधों की ब्लैकलिस्ट में शामिल नहीं था।

कौन हैं मारे गए भारतीय नाविक

हिमाचल प्रदेश के रहने वाले 23 वर्षीय आदित्य शर्मा इस हमले में अपनी जान गंवा बैठे। हमले में जान गंवाने वाले दूसरे भारतीय नाविक शिवानंद चौरसिया हैं। वहीं तीसरे भारतीय आंध्र प्रदेश के रहने वाले पटनाला सुरेश हैं।

टीएमसी राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

अब ममता बनर्जी के सिर्फ 9 सांसद बचे

नई दिल्ली एजेंसी

पद छोड़ने वाली वह चौथी सांसद हैं। अब राज्यसभा में टीएमसी के केवल 9 सांसद बाकी हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। तीन राज्यसभा सांसदों के जाने का दुख मना रही ममता को चौथा झटका लगा है। राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक इस्तीफा दे चुके हैं। कोयल मल्लिक चौथी राज्यसभा सांसद हैं, जिन्होंने इस्तीफा दिया है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि उन्होंने पार्टी से भी इस्तीफा दिया है या फिर नहीं। बता दें, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी को लगातार झटके लगते जा रहे हैं। पहले तीन दर्जन से ज्यादा विधायकों ने

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

ममता को राजनीतिक हाशिए पर धकेल दिया। इसके बाद एक दर्जन लोकसभा सांसदों ने भी काकोली घोष दास्तीदार के नेतृत्व में ममता का साथ छोड़ने का ऐलान किया था। 13 राज्यसभा सांसदों के साथ केंद्र सरकार को चुनौती देने वाली ममता बनर्जी की मुश्किलें अब राज्यसभा सांसदों ने भी बढ़ाना शुरू कर दी है। पहले शुखेंदु शेखर रे ने 8 जून को इस्तीफा देकर इसकी शुरुआत की और अब हालत यह है कि चार सांसद इस्तीफा दे चुके हैं।

सिर्फ दो महीने में अभिनेत्री से नेता बनी कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

गौरतलब है कि स्टार लोगों को राजनीति में लाने वाली ममता बनर्जी ने बंगाली अभिनेत्री कोयल मल्लिक को इसी साल अप्रैल में राज्यसभा भेजा था। शपथ लेने के बाद उत्साहित नजर आ रही कोयल ने मीडिया से बात करते हुए देश सेवा की बात कही थी। उन्होंने कहा, ÷मैंने बेहद सोच समझकर यह फैसला लिया है। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

मध्यप्रदेश, देश में सब्जी उत्पादन में तीसरे स्थान पर

भोपाल संवाददाता । मध्यप्रदेश आज कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2026 को ÷किसान कल्याण वर्ष÷ के रूप में मनाया जा रहा है, इसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि का विविधीकरण तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहते है कि कृषि को केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण को भी समान महत्व देना आवश्यक है। विगत 4 वर्ष में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में लगभग 21.58 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश देश में सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा ÷समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश÷ की थीम पर सब्जी क्षेत्र विस्तार की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है।

नेपाल में बिकता रहेगा भारत का आम क्या बोली सरकार

नई दिल्ली एजेंसी आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी से अब तक भारत ने नेपाल को 2,005 टन आम की 149 खेपों का निर्यात किया है, जबकि जून में अब तक 266 टन आम की 18 खेपें भेजी जा चुकी हैं। भारत का आम नेपाल में बिकता रहेगा और नेपाल ने इसके आयत पर कोई रोक नहीं लगाई है। भारत और नेपाल दोनों ने इस खबर की पुष्टि की है। इससे पहले बीते मंगलवार को यह सामने आई थी कि जापान के बाद नेपाल ने भी भारत से आम के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके पीछे आमों में कीटनाशक की अधिक मात्रा बताई जा रही थी। खबर सामने आने के बाद पूरे बाजार में हलचल मच गई थी। भारत के किसानों से लेकर नेपाल के व्यापारियों ने इस पर चिंता जताई थी। हालांकि अब भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत से आम के आयात पर नेपाल में रोक लगाए जाने खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताया।

कथा पुण्य के लिए नहीं बल्कि जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए होती है-कथाव्यास पंडित विपिन विहारी महाराज

संवाददाता

तेंदूखेड़ा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों का क्रम जारी है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत देवरी राजमार्ग पर शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के प्रथम दिवस कथाव्यास पंडित विपिन विहारी महाराज ने श्रीमद्भागवत पुराण का महत्व बड़े ही सुंदर भाव से समझाया। उन्होंने व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल जगह-जगह कथा ज्ञान यज्ञ चल रहे हैं, लेकिन लोगों के आचार-विचार में बदलाव नहीं आ रहा है। कथा केवल पुण्य अर्जित करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में परिवर्तन लाने के लिए होती है। हमें अपने जीवन में कथाओं के सार को उतारने और उस पर आचार-विचार करने की महती आवश्यकता है। मानव जीवन मिला है तो इसमें भगवान का नाम संकीर्तन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि आत्मा को परमात्मा से जोड़ना ही मानव जीवन का असली सार है। कथाव्यास ने आगे कहा कि भागवत कथा चार सूत्रों ज्ञान, ध्यान, दान और भगवान में बंधी हुई है। जिसने इन सूत्रों को समझ लिया, मानो उसने साक्षात ईश्वर को पा लिया। सत्संग का आश्रय लेने से ज्ञान की प्राप्ति होती है, ज्ञान से ध्यान की ओर मार्ग प्रशस्त होता है और ध्यान से ही भगवान की प्राप्ति संभव है। मानव जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे श्रेष्ठ बनाकर परमात्मा से जोड़ना चाहिए। जीवन में मौत, मातम और महोत्सव तीन मुख्य विषय हैं। यदि भगवान की शरण में आए बिना ही मौत आ जाए तो मानव जीवन व्यर्थ चला जाता है, लेकिन जो भगवत शरण में रहते हुए देह त्यागता है, उसकी मृत्यु भी एक महोत्सव बन जाती है। उन्होंने भागवत महापुराण की महिमा का बखान करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसा दिव्य ग्रंथ है जो तीनों लोकों में पूजनीय है। स्वयं देवर्षि नारद, समस्त देवगण और सारे तीर्थ इस परम पवित्र कथा का श्रवण करते हैं। जो पतित पावनी गंगा दूसरों के पापों को धोती है, वह स्वयं भी भागवत की शरण में रहती है। जो व्यक्ति अपने जीवनकाल में श्रीमद्भागवत कथा का प्रेमपूर्वक श्रवण करता है,

इसके विचारों को अपने आचरण व स्वभाव में लाता है, वही परमधाम का अधिकारी बनता है। अपनी देह को देवालय और घर को मंदिर बनाओ, मनुष्य के भीतर मनुष्यता का जाग्रत हो जाना ही कथा की असली सार्थकता है। इस आध्यात्मिक आयोजन में कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने भी क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कथा में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

भाजपा नेताओं ने किया समाजसेवी ओम प्रकाश रजक का आत्मीय स्वागत

संवाददाता

गोटेगांव। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान रजक समाज के सक्रिय समाजसेवी ओम प्रकाश रजक का सम्मान किया गया। इस विशेष अवसर पर सुन्दरलाल रजक के सानिध्य में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने पुष्पहार पहनाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद ओम प्रकाश रजक ने इसे अपने लिए गौरव एवं प्रेरणा का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के प्रति उनके संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए मंडल अध्यक्ष राकेश जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों, शुभचिंतकों एवं रजक समाज के साथियों का स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों के चलते किशोर ने किया जहरीली दवा का सेवन

संवाददाता

गोटेगांव। ठेमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक ग्राम में रहने वाले सत्रह वर्षीय किशोर को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोर ने अपने घर पर अज्ञात कारणों के चलते किसी कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। किशोर द्वारा उठाए गए इस कदम के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

माहिला के साथ घर में हुई मारपीट

संवाददाता

गोटेगांव। ठेमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलखेड़ी में एक महिला के साथ उसके घर के भीतर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बेलखेड़ी निवासी तीस वर्षीय चंदा पति कमलेश मेहरा के साथ घर में अज्ञात कारणों के चलते मारपीट हो गई। घटना में घायल होने के बाद पीड़ित महिला उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंची।

हरियाली बढ़ाने की पहल, जन अभियान परिषद की संस्था ने शुरू किया बीज गेंद निर्माण

संवाददाता

बनखेड़ी/नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था तुलसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम ईशरपुर में सीडबॉल यानी बीज गेंद निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह पूरा आयोजन विकास खंड समन्वयक श्रीमती सुखवती वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस रचनात्मक और प्रकृति हितैषी कार्य में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ईशरपुर के अध्यक्ष नारायण दास सरवैया, तुलसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान समिति बनखेड़ी के अध्यक्ष तुलसी राम कहार सहित सीएमसीएलडीपी की छात्राएं वैशाली कुशवाहा, नैंसी कुशवाहा एवं परामर्शदाता मकरन सिंह कुशवाहा ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। उपस्थित जनों ने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में फलदार और छायादार पौधों के बीजों से सीडबॉल तैयार किए, ताकि इन्हें उपयुक्त स्थानों पर डालकर हरियाली बढ़ाई जा सके। इस दौरान सभी ने पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प भी लिया।

बच्चों ने तैयार किए सीड बॉल,पर्यावरण संरक्षण के साथ दिया सुशासन का संदेश

संवाददाता

गोटेगांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के बारह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियानों के अंतर्गत एक विशेष आयोजन किया गया। स्टेशन रोड स्थित रेलवे कॉलोनी की संजय निकुंज नर्सरी में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सीड बॉल यानी बीज गेंद निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में उद्यान अधीक्षिका स्वाति अग्रवाल, माली मोहम्मद हाकिम खान, स्नेहलता श्रीवास्तव, प्रभा विश्वकर्मा सहित अनेक बच्चों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने बच्चों को सचेत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी, घटती हरियाली और जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। यदि समय रहते वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों का जीवन अत्यंत कठिन हो जाएगा। इस दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के बीजों की पहचान कराई गई और खेल-खेल में सीड बॉल बनाने की विधि सिखाई गई। उत्साहित बच्चों ने स्वयं अपने हाथों से कंजी, सेमल, नींबू, पपीता, मुनगा और आम सहित कई फलदार व छायादार पौधों के बीजों से सीड बॉल तैयार किए। बच्चों ने इस दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प भी लिया। इस संबंध में स्नेहलता श्रीवास्तव ने बताया कि सीड बॉल के माध्यम से वर्षा ऋतु में पथरीले या दूरदराज के स्थानों पर भी पौधों का प्राकृतिक रूप से विकास संभव होता है। यह अनूठी पहल बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण जैसे विषयों को राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। इन्हीं प्रेरणादायी प्रयासों से प्रेरित होकर बच्चों के बीच यह गतिविधि आयोजित की गई है ताकि वे हरियाली बढ़ाने के अभियान का हिस्सा बन सकें। इस रचनात्मक कार्य में रागिनी यादव, अनय यादव, भावना कुशवाहा, गरिमा कुशवाहा, शोभा कुशवाहा, रीना चौधरी, रंजना चौधरी, कविता शर्मा और ज्योति यादव सहित अन्य बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कुंवर साहब गुर्जर मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गनाइजेशन के संपर्क सचिव नियुक्त

संवाददाता

गाडरवारा। मानवाधिकारों के संरक्षण, सामाजिक न्याय और जन-जागरूकता के क्षेत्र में कार्यरत मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गनाइजेशन ने जिले के समाजसेवी कुंवर साहब गुर्जर को नरसिंहपुर जिले का संपर्क सचिव नियुक्त किया है। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि कुंवर साहब गुर्जर समाज के अंतिम व्यक्ति तक मानवाधिकारों की जानकारी पहुंचाने और उनके हनन व शोषण के विरुद्ध पीड़ितों की आवाज बनकर उन्हें न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनके इस मनोनयन पर क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

महाविद्यालय में स्वच्छता रैली का आयोजन, विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

संवाददाता

तेंदूखेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा विषय पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण पखवाड़ा मनाने के संकल्प के साथ ही वृहद स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा पूरे कॉलेज परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचाने वाली पॉलिथीन के उपयोग को पूरी तरह बंद करने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में एक स्वच्छता जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस रैली में जयश्री लोधी, राजकुमारी लोधी, अगमा, पलक साहू, मोनिका, प्रिंसी, लेखराम, अभिलाषा, नंदनी, आकांक्षा गौंड और कपिल पटैल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण की सुरक्षा करने और अपने आसपास हमेशा साफ-सफाई रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

मुकद्दस हज का सफर मुकम्मल कर वतन लौटे हाजी,अजीजों और वाहने वालों ने किया इस्तकबाल

संवाददाता

तेंदूखेड़ा। नगर के बाइज्जत कुरैशी खानदान के शेख जुम्मन कुरैशी और उनकी अहलिया अकीला कुरैशी अपनी पैंतालीस रोजा मुकद्दस हज यात्रा मुकम्मल कर खैरियत के साथ वतन लौट आए हैं। उनके वापस लौटने पर अजीजों, दोस्तों और मकामी बाशिंदों ने बेहद पुरजोश अंदाज में उनका दिली इस्तकबाल किया। दोनों हज यात्रियों ने मक्का-मदीना के मजहबी मकामात की जियारत की और हज के तमाम अरकान पूरी अकीदत और शिद्दत के साथ अदा किए। सऊदी अरब में हज के मुकम्मल फरायज पूरे करने के बाद वे वापस तशरीफ लाए। जैसे ही दोनों हाजी गाडरवारा स्टेशन पहुंचे, वहां पहले से मौजूद रिश्तेदारों, कुनबे के लोगों और दोस्तों ने फूल-मालाओं और गुलदस्तों के साथ उनका पुरखुलूस खैरमक्दम किया। इस मसर्रत के मौके पर घर और आस-पास के पूरे इलाके में जश्न का माहौल देखा गया। हज का मुकद्दस सफर तय कर लौटे हाजियों ने अपने तजुर्बात बयां करते हुए कहा कि उन्होंने खुदा के पाकीजा मकामात पर खास तौर से अपने मुल्क की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए अल्लाह ताला के हुजूर में दुआएं मांगी हैं। उन्होंने जज्बाती होते हुए कहा कि तमाम चाहने वालों और रिश्तेदारों की दुआओं की बदौलत अल्लाह के फज्ल-ओ-करम से यह बेहद बाअसर और कठिन सफर बहुत ही आसान और कामयाब रहा।

वन विभाग की भूमि पर धड़ल्ले से पक्का निर्माण,मूकदर्शक बना महकमा

संवाददाता

गोटेगांव। जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कुंडा में मुख्य सड़क के किनारे स्थित वन विभाग की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण का खेल जोरों पर चल रहा है। सड़क मार्ग से लगी इस शासकीय भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत बीम और कॉलम का काम भी पूरा कर लिया गया है। आश्चर्य की बात यह है कि इस अवैध निर्माण में ग्राम पंचायत के शासकीय पानी टैंकर का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं, जिससे अन्य लोग भी मुख्य सड़क की बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जा करने की होड़ में शामिल हो रहे हैं। इस पूरे मामले में जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है, जिसके चलते शासकीय भूमि लगातार अतिक्रमण की भेंट चढ़ रही है।

अस्पताल की बाउंड्रीवॉल निर्माण में बाधा डालने पर अतिक्रमणकारी को नोटिस के निर्देश

संवाददाता

गोटेगांव। नगर के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अतिक्रमण हटाने के उपरांत बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस शासकीय कार्य में एक अतिक्रमणकारी द्वारा लगातार बाधा उत्पन्न की जा रही थी। मामले की शिकायत मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संघमित्रा गौतम एवं तहसीलदार नीरज तखरया तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने निर्माण स्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद कार्य में व्यवधान डालने वाले संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करने के सख्त निर्देश दिए हैं। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की जितनी शासकीय भूमि है, पूरी सीमा में बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जाए और जिन्होंने भी चिकित्सालय की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है, उसे तत्काल हटाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई और जांच के निर्देश दिए कि अतिक्रमणकारी ने किसकी अनुमति से सरकारी अस्पताल की जमीन के ऊपर अपने मकान का छज्जा आगे बढ़ाया है।

राजस्व और पुलिस की कार्रवाई, हेक्टेयरों शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

संवाददाता

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सांकल में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर रजनी सिंह के कुशल निर्देशन में राजस्व और पुलिस विभाग के संयुक्त अमले ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए विभिन्न खसरा नंबरों की शासकीय भूमि को पूरी तरह मुक्त कराया। इसके तहत खसरा नंबर 11/1 की 6.819 हेक्टेयर, खसरा नंबर 208/2/2 की 7.689 हेक्टेयर, खसरा नंबर 245 की 3.051 हेक्टेयर और खसरा नंबर 218 की 5.463 हेक्टेयर शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई इस विशाल भूमि को जनपद पंचायत गोटेगांव को पौधरोपण कार्य के लिए सौंप दिया गया है। इस महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान गोटेगांव तहसीलदार नीरज तखरया सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग का पूरा अमला मौके पर तैनात रहा।

सुरक्षित मातृत्व शिविर में चालीस गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

तेंदूखेड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान के दस वर्ष पूरे होने के सुअवसर पर आयोजित शिविर में क्षेत्र की चालीस गर्भवती महिलाओं का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा एवं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजकिशोर पटेल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। शिविर के दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने उपस्थित महिलाओं के स्वास्थ्य की गहन जाँच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। इस विशेष जाँच अभियान में हाई रिस्क प्रेगनेंसी यानी जोखिम वाली गर्भावस्था से जुड़ी महिलाओं की पहचान कर उन्हें विशेष देखरेख की सलाह दी गई। इसके साथ ही शिविर में आईं सभी महिलाओं को निःशुल्क खून और पेशाब की जाँच, जरूरी दवाइयाँ तथा उचित पोषण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं को उनके घर से अस्पताल तक सुरक्षित लाने और वापस ले जाने के लिए निःशुल्क वाहन की सुविधा भी दी गई। इस पूरे आयोजन में सुपरवाइजर मो. शफीक कुरैशी सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्टाफ, आशा कार्यकर्ताओं और पैथोलॉजी टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

बनखेड़ी/नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी नगर में किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता पूर्व जिला प्रवक्ता प्रदीप कुमार पलिया के कार्यालय में एकत्रित हुए। यहाँ से किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष आशीष पटेल रिंकू भैया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्य मार्ग से रैली निकाली और तहसील कार्यालय पहुंचे। सौंपे गए ज्ञापन में मूंग खरीदी, गेहूं भुगतान और किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने जैसी गंभीर समस्याओं पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए आवाज बुलंद की गई। इस दौरान पूर्व जिला प्रवक्ता प्रदीप पलिया ने तहसीलदार को पांजरा हल्का पटवारी की लापरवाही से भी अवगत कराया और बताया कि पटवारी द्वारा किसानों के फोन नहीं उठाए जाते हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि गिरदावरी एवं पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण की जाए। साथ ही मूंग खरीदी की सीमा बढ़ाकर कम से कम छह क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित की जाए और इसकी पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी व किसान हितैषी बनाया जाए ताकि किसानों को अनावश्यक भटकना न पड़े। इसके अलावा गेहूं उत्पादक किसानों के लंबित भुगतान का तत्काल निराकरण करने और खाद वितरण व्यवस्था को सुगम बनाने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि सात दिवस के भीतर मांगों का निराकरण नहीं होता है, तो किसान कांग्रेस किसानों के हित में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन, घेराव और उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर पुखराज सिंह जूदेव, माधवसिंह रघुवंशी, आशीष पटेल रिंकू भैया, प्रदीप पलिया, मंडलम अध्यक्ष घनश्याम कीर, सौरभ माहेश्वरी, राजेन्द्र पाराशर, राजकुमार जूदेव, राघवेन्द्र मेहरा, देवेन्द्र राजपूत, पवन परतें, रोहित पलिया, लीलाधर मेहरा, परमेश्वर पटेल, पवन राय, प्रियांश हरदेनिया, विवेक हरदेनिया, मोनू दुबे, हेमराज नागवंशी, परसोत्तम कटारे और बृजेश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत 05 दिनों में लगभग 1 करोड़ 62 लाख रूपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त,अनेक तस्कर गिरफ्तार

भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। विगत 5 दिनों में विभिन्न जिलों की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 62 लाख रूपये से अधिक के अवैध मादक पदार्थ गांजा, स्मैक, एमडी ड्रग्स, डोडाचूरा, नशीले इंजेक्शन सहित अन?य सामग्री जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आगर मालवा

कोतवाली थाना पुलिस ने कंटेनर में बनाए गए विशेष लोहे के गुप्त चैम्बर से 3 क्विंटल 21 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में लगभग 71 लाख रुपये मूल्य का डोडाचूरा एवं कंटेनर जब्त किया गया।

शिवपुरी

पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को स्मैक का अवैध विक्रय करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 62.28 ग्राम स्मैक, एक कार एवं मोबाइल फोन सहित लगभग 22 लाख मूल्य की संपत्ति जब?त की है।

मंदसौर

मल्हारगढ़ पुलिस ने बोलेरो वाहन में बनाए गए गुप्त स्थानों से 173 किलो 380 ग्राम डोडाचूरा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक अन्य कार्रवाई में 400 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार किए। वहीं शामगढ़ पुलिस ने हरियाणा एवं पंजाब के दो तस्करों को गिरफ्तार कर 60 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया। इस प्रकार तीनों कार्रवाई में मंदसौर पुलिस ने लगभग 17 लाख 66 हजार रुपये मूल्य का मादक पदार्थ एवं अन?य संपत्ति जब्त की है।

उज्जैन

पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध दो अलग-अलग कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस ने 1 किलो 15 ग्राम एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लगभग 15 लाख रूपये की सामग्री जब?त की है।

वहीं बड़नगर पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 किलो 165 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 29 हजार रूपये है। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने 16 लाख 29 हजार रूपये के मादक पदार्थ जब्त किए हैं।

जबलपुर

पुलिस की बेलबाग, अधारताल एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान 6600 नग नशीले इंजेक्शन, 5 मोबाइल फोन एवं घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रूपये है।

रतलाम

पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए बीड़ी के कार्टून में छिपाकर ले जाए जा रहे 56.340 किलोग्राम डोडाचूरा कीमत 2 लाख 81 हजार 700 रूपये के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। वहीं थाना रिंगनोद की माननखेड़ा चौकी पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार सहित 100 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा कीमत लगभग 7 लाख रूपये के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकार लगभग 9 लाख 81 हजार रूपये की संपत्ति जब?त की है।

गुना

मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान से स्मैक तस्करी कर रहे अंतर्राज्यीय तस्कर पति-पत्नी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 51.10 ग्राम स्मैक एवं तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित लगभग 6 लाख रूपए की संपत्ति जब?त की है। वहीं राघौगढ़ थाना पुलिस ने एक अन्य नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10.4 ग्राम स्मैक एवं मोटरसाइकिल सहित 2 लाख 4 हजार रूपये की संपत्ति जब?त की है। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने लगभग 8 लाख 4 हजार रूपये की संपत्ति जब?त की है।

कटनी

पुलिस ने मादक पदार्थों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 11.06 ग्राम स्मैक बरामद कर एक पुरुष एवं एक महिला को गिरफ्तार कर लगभग 1 लाख 10 हजार रूपये की सामग्री जब?त की है।

सरमायेदारों की सल्तनत में बेरोज़गार नौजवानों का मातम

सारनी में बाहरी कंपनियों का फरमान बुलंद,जनप्रतिनिधियों की सियासत बेअसर स्थानीय युवाओं के हिस्से आया सिर्फ़ इंतज़ार और इम्तिहान

सारनी। अखबार आईने का काम करता है लेकिन कारपेट जगत के अखबार विज्ञापन के बोटी के सामने धूम हिलाते दिखाई दे रही कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि जुल्म के साये में लब खोलेगा कौन,अगर हम भी चुप रहे तो फिर बोलेगा कौन ठीक इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी में इन दिनों ऐसा मालूम पड़ता है मानो स्थानीय जनप्रतिनिधियों की नहीं,बल्कि बाहरी कंपनियों की बादशाहत कायम हो चुकी हो।विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने कभी यह ख़्वाब दिखाया था कि परियोजनाओं में 70 फ़ीसदी रोज़गार स्थानीय युवाओं और 30 फ़ीसदी बाहरी श्रमिकों को मिलेगा, मगर ज़मीनी हक़ीक़त इस दावे का जनाज़ा निकालती नज़र आ रही है।सूत्रों के मुताबिक़,करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के बीच स्थानीय डिप्लोमा और आईटीआईधारी नौजवान दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं,जबकि बाहरी कंपनियां अपने साथ बाहरी मज़दूरों की पूरी फ़ौज लेकर आ रही हैं।कंपनी के अफ़सरों और इंजीनियरों का तर्क भी बड़ा दिलचस्प है। उनका फ़रमान है कि बाहरी मज़दूर 10 से 12 घंटे तक लगातार काम करते हैं,जबकि स्थानीय मज़दूर कुछ दिनों बाद छुट्टियों की दरख़्वास्तों का पुलिंदा लेकर हाज़िर हो जाते हैं। लिहाज़ा, कंपनियों की निगाह में बाहरी श्रमिक ज़्यादा मुनासिब साबित हो रहे हैं।इधर सत्ता पक्ष के कुछ रहनुमा 11 हज़ार 678 करोड़ रुपये के कामों में अपने पसंदीदा लोगों की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मशक़्क़त में मशगूल बताए जा रहे हैं,तो उधर विपक्ष का एहतिजाज भी महज़ रस्म-अदायगी से आगे बढ़ता दिखाई नहीं देता। ऐसे में स्थानीय बेरोज़गार युवाओं के हक़ और हुक़ूक़ की आवाज़ उठाने वाला कोई मसीहा मैदान में नज़र नहीं आ रहा। हालात यह हैं कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और ठेकेदार एक-दूसरे को शिकस्त देने की सियासी बाज़ी में उलझे हुए हैं,जबकि बाहरी कंपनियों के अफ़सर इस नूरा-कुश्ती का भरपूर लुत्फ़ उठा रहे हैं।नतीजा यह कि रोज़गार के मौक़े धीरे-धीरे स्थानीय हाथों से फिसलते जा रहे हैं और बेरोज़गारी का साया गहराता जा रहा है। अब सवाल यह है कि क्या क्षेत्र के जनप्रतिनिधि कोई मुकम्मल रोडमैप तैयार करेंगे या फिर सब कुछ यूँ ही चलता रहेगा।अगर यही मंजर कायम रहा तो स्थानीय डिप्लोमा और आईटीआईधारी नौजवान अपने प्रमाणपत्रों का पुलिंदा बगल में दबाए शहर की गलियों में रोज़गार तलाशते फिरेंगे,जबकि बाहरी कंपनियां मुनाफ़े की गठरी बांधकर रवाना हो जाएंगी। फिलहाल तो क्षेत्र के युवाओं की हालत उस बदनसीब शख़्स जैसी दिखाई दे रही है जिसके हिस्से न रोज़गार आया,न रहनुमाई और न ही उम्मीद–बस बड़े मियां के फटे पायजामे की तरह पैबंद पर पैबंद लगते जा रहे हैं। उन्हें रोजगार मिलेगा कि नहीं इसको लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बरकरार हैं

विविध समाचार

धनियाजाम पंचायत में भ्रष्टाचार का आरोप, कलेटर से उच्चस्तरीय जांच की मांग

4 इंच की सीसी रोड,फर्जी बिल और लाखों की निकासी पर उठे सवाल

पंचायत सचिव, सरपंच और उपयंत्री की मिलीभगत के आरोप

ग्रामसभा नहीं, बैठकें नहीं, फिर भी लाखों की राशि आहरित होने का दावा

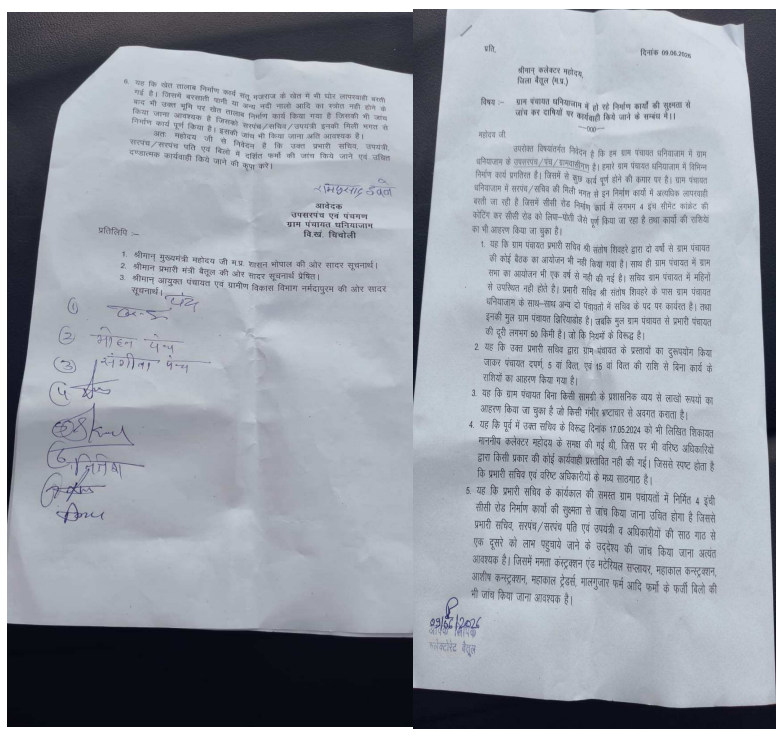

बैतूल। चिचोली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत धनियाजाम में निर्माण कार्यों और वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्राम पंचायत के उपसरपंच, पंचों और ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पंचायत में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की सूक्ष्म जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं राम प्रसाद इवने, पंच मोहन, संगीता का आरोप है कि पंचायत में सरपंच और प्रभारी सचिव की मिलीभगत से निर्माण कार्यों में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। विशेष रूप से सीसी रोड निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता के बजाय केवल लगभग चार इंच सीमेंट-कांक्रीट की परत डालकर सड़क निर्माण को पूर्ण दर्शाया जा रहा है, जबकि संबंधित कार्यों की राशि का आहरण भी किया जा चुका है। ज्ञापन में बताया गया है कि प्रभारी सचिव संतोष शिवहरे द्वारा पिछले दो वर्षों से ग्राम पंचायत की नियमित बैठकों का आयोजन नहीं किया गया है। वहीं एक वर्ष से ग्रामसभा भी आयोजित नहीं हुई है। आरोप है कि सचिव महीनों तक पंचायत में उपस्थित नहीं रहते। शिकायतकर्ताओं ने यह भी उल्लेख किया है कि संतोष शिवहरे धनियाजाम के अलावा दो अन्य पंचायतों में भी सचिव पद का दायित्व संभाल रहे हैं, जबकि उनकी मूल पदस्थापना ग्राम पंचायत झिरियाडोह में है और दोनों पंचायतों के बीच लगभग 50 किलोमीटर की दूरी है, जो नियमों के विपरीत बताई गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत दर्पण, पांचवें वित्त आयोग तथा पंद्रहवें वित्त आयोग की राशि से बिना कार्य कराए धनराशि आहरित की गई है। साथ ही प्रशासनिक व्यय के नाम पर बिना किसी सामग्री खरीदी के लाखों रुपये निकाले जाने का भी दावा किया गया है। शिकायत में इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला बताया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रभारी सचिव के विरुद्ध 17 मई 2024 को भी कलेक्टर के समक्ष लिखित शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे शिकायतकर्ताओं ने सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सांठगांठ होने की आशंका व्यक्त की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रभारी सचिव के कार्यकाल में बनी सभी सीसी सड़कों की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही सरपंच, सरपंच पति, उपयंत्री और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए। शिकायत में ममता कंस्ट्रक्शन एंड मटेरियल सप्लायर, महाकाल कंस्ट्रक्शन, आशीष कंस्ट्रक्शन, महाकाल ट्रेडर्स तथा मालगुजार फर्म सहित अन्य फर्मों के बिलों की सत्यता की जांच की मांग भी की गई है। ज्ञापन में संतू गजराज के खेत में निर्मित खेत तालाब निर्माण कार्य पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि संबंधित भूमि पर बरसाती पानी या अन्य जल स्रोत उपलब्ध नहीं हैं, इसके बावजूद तालाब निर्माण कराया गया, जिसकी गुणवत्ता और आवश्यकता की जांच होना जरूरी है। आरोप है कि यह कार्य भी सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से पूर्ण कराया गया। शिकायतकर्ता पंच मोहन, संगीता, नितेश सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर प्रभारी सचिव, सरपंच, उपयंत्री तथा संबंधित फर्मों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वस्थ और जागरूक पीढ़ी गढ़ने की दिशा में बड़ा कदम, शिक्षकों का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण संपन्न

प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ समापन,प्रशिक्षित शिक्षक अब स्कूलों में किशोर स्वास्थ्य और जीवन कौशल की अलख जगाएंगे

सारनी। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों के तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का सफल समापन प्रमाण- पत्र वितरण के साथ हुआ। यह प्रशिक्षण केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विद्यालयों में पढ़ने वाले किशोर-किशोरियों के बेहतर भविष्य और स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को इस योग्य बनाना था कि वे विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर प्रभावी मार्गदर्शन दे सकें। तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में प्रतिभागी शिक्षकों को किशोर स्वास्थ्य, जीवन कौशल शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य,पोषण, लैंगिक समानता,नशा मुक्ति, सुरक्षित व्यवहार और स्वास्थ्य एवं कल्याण गतिविधियों के संचालन संबंधी विषयों की गहन जानकारी दी गई।कार्यक्रम की खास बात यह रही कि प्रशिक्षण केवल व्याख्यानों तक सीमित नहीं रहा। समूह चर्चा,व्यवहारिक अभ्यास, रोल प्ले और सहभागितापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर संवाद और मार्गदर्शन की तकनीकें सिखाई गईं। इससे प्रशिक्षण अधिक रोचक और प्रभावी बना।समापन अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश कुमार आठ्या ने कहा कि आज के दौर में किशोरों के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। ऐसे में शिक्षक केवल पढ़ाने की भूमिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षित शिक्षक विद्यालयों में विद्यार्थियों को सही दिशा देकर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में बीजीएमएस (ग्राम भारती महिला मंडल) की ओर से ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर कुशल दांगी एवं अविनाश वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को विद्यालय स्तर तक पहुंचाना ही इसकी वास्तविक सफलता होगी।समापन सत्र में सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्य निष्पादन की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं ग्राम भारती महिला मंडल के संयुक्त प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।प्रशिक्षण के बाद अब ये शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि स्वस्थजीवनशैली,सकारात्मक सोच और जागरूकता का संदेश भी पहुंचाएंगे, जिससे आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ,आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बन सकेगी।इस अवसर पर संबंधित अधिकारी, प्रशिक्षकगण एवं प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के 12 साल पूरे

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दी बधाई,लिखा भावनात्मक पत्र

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के गौरवशाली 12 साल पूरे हो गए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को भावनात्मक पत्र लिखकर इस विशेष उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, अधोसंरचनात्मक विकास तथा देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को मिले अभूतपूर्व सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। पत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के नव निर्माण एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रधानमंत्री श्री मोदी का अद्वितीय योगदान अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुशासन से पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गांव, गरीब और किसान कल्याण को प्राथमिकता देते हुए लोकतंत्र को भी गौरवान्वित किया है।

भरोसे की कसौटी पर खरे मोदी-नीतीश कुमार

भारत जैसे विशाल और प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में जनता का भरोसा जीतना कठिन होता है और इसे बनाए रखना और भी कठिन, फिर भी कड़ी प्रतिद्वंद्विता और जनता की सख्त कसौटी के बावजूद नरेन्द्र मोदी जनता के विश्वास को बनाए रखने में सफल रहे हैं। वैसे तो हम दोनों भौगोलिक रूप से भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से आते हैं, लेकिन उसी पीढ़ी के साझा प्रतिनिधि भी हैं, जिसकी राजनीतिक चेतना आपातकाल से प्रभावित हुई थी। हमने लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर हुए हमले को अपनी आंखों से देखा और उस आंदोलन में भाग भी लिया, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करना था। उस संघर्ष ने सार्वजनिक जीवन और लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में हमारी समझ को आकार दिया। दशकों तक यह धारणा रही कि देश के सर्वोच्च पद कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों या प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों में जन्म लिए लोगों के लिए आरक्षित हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस धारणा को चुनौती दी। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर देश के सर्वोच्च निर्वाचित पद तक पहुंचने वाले मोदी करोड़ों लोगों के प्रेरणास्रोत हैं। उनकी सफलता गाथा इस विश्वास को और दृढ़ करती है कि एक जीवंत लोकतंत्र में संकल्प, कड़ा परिश्रम और क्षमताएं तमाम बाधाओं को धता बताते हुए व्यक्ति को शिखर पर सुशोभित कर सकती हैं।

उनकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति एवं खुलेपन का भी जीवंत प्रमाण है। डा. लोहिया, जेपी और कई अन्य महान समाजवादी नेताओं के अनुयायी के रूप में मैंने हमेशा राजनीति को लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के साधन के रूप में देखा है। लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने और उनके लिए एक गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना किसी भी राजनेता की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस लिहाज से पीएम मोदी का रिकार्ड शानदार रहा है। उनके नेतृत्व में राजग सरकार के दौरान 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर निकालना संभव हो सका है। उनकी सरकार में शौचालय, बैंक खाते, घर, गैस कनेक्शन, नल से जल आपूर्ति, स्वास्थ्य बीमा कवरेज तथा अनेक मूलभूत आवश्यकताएं करोड़ों लोगों तक पहुंची हैं। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, महिलाओं, गरीब परिवारों और विकास कार्यक्रमों के पहली पीढ़ी के लाभार्थियों के एक बड़े वर्ग ने अब खुद को भारत की विकास गाथा में सक्रिय भागीदार के रूप में देखना शुरू कर दिया है। युवाओं को विशेष योजनाओं के माध्यम से उद्यमिता के नए अवसर मिले हैं। इन समूहों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाना सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में सबसे महत्वपूर्ण उत्प्रेरक रहा है। महिलाओं के कल्याण और सम्मान को समर्पित मोदी सरकार की कई योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ हुआ है और उनका जीवन सुगम हुआ है। बिहार में मेरा अपना अनुभव रहा है कि जब महिलाओं को विकास कार्यों के केंद्र में रखा जाता है तो समाज तेजी से प्रगति करता है। कोई आश्चर्य नहीं कि बिहार में हमारे जीविका प्रयोग की सफलता की चर्चा अब दुनिया भर में हो रही है। वर्षों तक मुख्यमंत्री रहने के नाते मैं जानता हूं कि योजनाओं के लाभ को वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें सिर्फ भली मंशा ही काफी नहीं, बल्कि प्रभावी कार्यान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देने की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री मोदी यह सुनिश्चित करने पर जोर देते हैं कि शासन का परिणाम नागरिकों के लिए वास्तविक लाभ में बदले। चाहे कल्याण योजनाएं हों, अवसंरचना विकास हो या सार्वजनिक सेवा वितरण, उन्होंने हमेशा दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित किया है। जब सरकारी लाभ लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से और बिना किसी रिसाव के पहुंचते हैं तो संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास मजबूत होता है। यह विश्वास प्रधानमंत्री के नागरिकों के साथ निरंतर जुड़ाव और संवाद से और मजबूत हुआ है, जिससे सरकार और लोगों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देने में मदद मिली है।मैंने हमेशा भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता के दृष्टिकोण को अपनाया है और उसका समर्थन किया है। पीएम मोदी की जिन खूबियों ने उन्हें लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया है, उनमें से एक है बेदाग रिकार्ड और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका मजबूत रुख। भारतीय राजनीति में ऐसे विरले ही नेता हुए हैं, जिन्होंने दशकों तक सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए अपने दामन पर कोई दाग नहीं लगने दिया। उन्होंने कानूनी प्रक्रिया के जरिये भ्रष्ट तंत्र पर कार्रवाई की इच्छाशक्ति भी दिखाई है। पीएम मोदी के कार्यकाल की एक खास बात यह भी रही कि वैश्विक मंच पर भारत का महत्व बढ़ा है। यही कारण है कि आज दुनिया भारत को उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक यात्रा में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लंबा और सफल कार्यकाल भी शामिल है। वे जल्द ही चुनी हुई सरकार के प्रमुख के तौर पर लगातार सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लेंगे। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर इस अनुभव ने उन्हें राज्यों की जरूरतों और उनका समर्थन करने के महत्व की गहरी समझ दी है। प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सहकारी संघवाद के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री के रूप में मेरा अपना यह अनुभव रहा कि उन्होंने राजनीतिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना बिहार के विकास के लिए समर्थन दिया। प्रधानमंत्री मोदी के मन में बिहार की विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं के प्रति बहुत सम्मान है। प्रभावी नेतृत्व के लिए निरंतर प्रयास, अथक परिश्रम और अनुशासन की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री मोदी की अथक ऊर्जा और अनन्य समर्पण ने ही इतने लंबे समय तक उनके प्रति जनता का व्यापक भरोसा बनाए रखने में मदद की है। वे भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की उपलब्धि तक पहुंच चुके हैं। यह उनके सार्वजनिक जीवन में योगदान का जश्न मनाने और उन्हें ऐसी और उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं देने का अवसर है।

अफ्रीका के लाखों विस्थापित लोगों के लिए समावेशी सामाजिक सुरक्षा बनाना

सूरत चिड़ियाघर की घटना पर भड़के नेटिज़न्स यूनाइटेड नेशंस रिफ्यूजी एजेंसी (UNHCR), वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (WFP), यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर द कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स (OCHA), और दूसरे डेवलपमेंट पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाई गई वर्ल्ड बैंक की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ्रीका के ग्रेट लेक्स रीजन को ज़बरदस्ती विस्थापन पर फिर से सोचना होगा। बुरुंडी, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, रवांडा और युगांडा को कवर करते हुए, यह स्टडी बताती है कि कैसे लाखों रिफ्यूजी, इंटरनली डिसप्लेस्ड पर्सन (IDPs), वापस आए लोग और होस्ट कम्युनिटी लंबे समय तक चलने वाले संकटों में फंसे हुए हैं, जिनके लिए इमरजेंसी मदद से ज़्यादा की ज़रूरत है। मैडोना के कई विवाद एक संकट जो ज़िंदगी का हिस्सा बन गया है ग्रेट लेक्स रीजन दुनिया के सबसे बड़े और सबसे लंबे समय तक चलने वाले विस्थापन संकटों में से एक को होस्ट करता है। 2024 के आखिर तक, यह इलाका लगभग 7.9 मिलियन इंटरनली डिसप्लेस्ड लोगों और 2.5 मिलियन रिफ्यूजी का घर था। कई लोगों ने सालों, और कभी-कभी दशकों तक अपने घरों से दूर रहकर समय बिताया है। छ्त्रष्ट संकट का सेंटर बना हुआ है, जहाँ चल रहे संघर्ष इंटरनली डिसप्लेसमेंट और बॉर्डर पार रिफ्यूजी मूवमेंट, दोनों को बढ़ावा दे रहे हैं। युगांडा में अफ्रीका की सबसे बड़ी रिफ्यूजी आबादी रहती है, जबकि बुरुंडी और रवांडा पिछले झगड़ों और लौटती हुई आबादी की विरासत से जूझ रहे हैं। सर्वेइंग टेक्नोलॉजी कैसे बढ़ा रही है सुरक्षा रिपोर्ट में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि विस्थापन अब कोई शॉर्ट-टर्म मानवीय मुद्दा नहीं है। यह नौकरियों, शिक्षा, हेल्थकेयर, पब्लिक सर्विसेज़ और आर्थिक विकास पर असर डालने वाली एक लॉन्ग-टर्म डेवलपमेंट चुनौती बन गई है। सिर्फ मानवीय मदद अब काफी क्यों नहीं है दशकों से, मानवीय एजेंसियों ने विस्थापित लोगों को खाना, रहने की जगह, हेल्थकेयर और सुरक्षा दी है। हालांकि ये सर्विसेज़ इमरजेंसी के दौरान ज़रूरी हैं, लेकिन रिपोर्ट का कहना है कि ये पीढ़ियों तक चलने वाले संकटों का मुख्य समाधान नहीं हो सकतीं। भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते हैं ग्लोबल सहायता बजट पर दबाव है, और मानवीय फंडिंग पर लगातार दबाव पड़ रहा है। नतीजतन, सरकारों को ऐसे सिस्टम की ज़रूरत है जो बाहरी मदद कम होने पर भी कमज़ोर लोगों की मदद करते रहें। स्टडी में सुझाव दिया गया है कि देशों को धीरे-धीरे मदद पर निर्भर जवाबों से हटकर मज़बूत नेशनल सिस्टम की ओर बढ़ना चाहिए जो विस्थापित लोगों को ज़्यादा आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से प्रोडक्टिव बनने में मदद करें। डेवलपमेंट टूल के तौर पर सोशल प्रोटेक्शन, प्राचीन भारतीय साहित्य में घुसपैठ को चुनौती देना रिपोर्ट के सेंटर में यह आइडिया है कि सोशल प्रोटेक्शन, डिसप्लेसमेंट को मैनेज करने में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकता है। सोशल प्रोटेक्शन में कैश ट्रांसफर, पब्लिक वर्क्स स्कीम, रोजी-रोटी में मदद और कमजोर परिवारों के लिए सोशल मदद जैसे प्रोग्राम शामिल हैं। रिफ्यूजी और डिसप्लेस्ड लोगों को ह्यूमनिटेरियन मदद पर निर्भर अलग-अलग ग्रुप मानने के बजाय, सरकारें उन्हें गरीब और कमजोर नागरिकों के साथ नेशनल सोशल प्रोटेक्शन प्रोग्राम में शामिल कर सकती हैं। यह तरीका लीगल स्टेटस के बजाय ज़रूरत के आधार पर सपोर्ट देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह के शामिल होने से जीवन स्तर में सुधार हो सकता है, लचीलापन मजबूत हो सकता है और डिसप्लेस्ड आबादी और होस्ट कम्युनिटी के बीच तनाव कम हो सकता है। यह रिफ्यूजी और डिसप्लेस्ड लोगों को काम, एंटरप्रेन्योरशिप और खर्च के ज़रिए लोकल इकॉनमी में योगदान करने में भी मदद कर सकता है। पॉलिसी बनाने वालों को क्या करना चाहिए स्टडी में सरकारों के लिए कई पॉलिसी प्रायोरिटी बताई गई हैं। पहला॰ देशों को ऐसे कानूनी फ्रेमवर्क की ज़रूरत है जो बेघर लोगों को काम करने, आज़ादी से घूमने-फिरने और पब्लिक सर्विस तक पहुँचने की इजाज़त दें। रोक लगाने वाली पॉलिसी अक्सर रिफ्यूजी को आर्थिक रूप से आज़ाद होने से रोकती हैं। दूसरा॰ सरकारों को सोशल प्रोटेक्शन एजेंसियों, रिफ्यूजी अथॉरिटी और मानवीय संगठनों के बीच कोऑर्डिनेशन बेहतर करना चाहिए। बेहतर कोऑर्डिनेशन से डुप्लीकेशन कम हो सकता है और मदद ज़्यादा असरदार हो सकती है। तीसरा॰ मज़बूत डेटा सिस्टम की ज़रूरत है। कई बेघर लोग नेशनल डेटाबेस से गायब हैं, जिससे सरकारों के लिए ज़रूरतों की पहचान करना और मदद को टारगेट करना मुश्किल हो जाता है।

प्राचीन नारीवाद का अनावरण : प्राचीन भारतीय साहित्य में घुसपैठ को चुनौती देना

प्राचीन भारतीय साहित्य में घुसपैठ को चुनौती देना पुराने ज़माने में महिलाओं के बारे में हमारी कल्चरल कोडिंग की वजह से, मनुस्मृति और कामसूत्र में उनके बारे में नेगेटिव बातें सामने आती हैं। हालाँकि, ऐसी किताबों का एक और पहलू जानना ज़रूरी है, जो महिलाओं की आर्थिक समझ और जन्मजात बुद्धि पर फोकस करता है। मुकुल कुमार की किताब %वीमेन इन द वॉम्ब ऑफ़ टाइम, अनवीलिंग एंशिएंट फेमिनिज़्म% पुराने भारतीय साहित्य में एक बोल्ड और चैलेंजिंग एंट्री है, जिसमें हमारी लंबी विरासत में महिलाओं के किरदारों के आस-पास की कमियाँ, चुप्पी और गलतफहमियाँ शामिल हैं। इस मुश्किल किताब से, मैं तीन ऐसी बातें बताना चाहता हूँ जिन्होंने मुझे सबसे ज़्यादा इम्प्रेस किया है। मैडोना के कई विवाद पहली बात यह कि यह एक पुरुष लेखक है जो पुराने और नए दोनों तरह के फेमिनिज़्म की जाँच कर रहा है, और विरासत की सच्चाई को जानने के लिए एक गहरी कमिटमेंट की भावना रखता है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि समय के साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण बँटवारा हुआ है, जिसमें फेमिनिज़्म को विरोध के एक तीखे और आक्रामक तरीके से पहचाना जाता है और मर्दानगी को अक्सर फिजिकल रूप के जेंडर लेंस से समझा जाता है। मुकुल कुमार का नज़रिया कहीं ज़्यादा बारीक और बड़ा है, वे जाने-माने टेक्स्ट के ज़रिए औरतों और मर्दों, दोनों पर बात करते हैं और मज़बूती से यह तर्क देते हैं कि पुराने भारत में औरतों को बराबरी, इज्ज़त और खुद का दर्जा मिला हुआ था। वे ऐसा मर्दों को नीचा दिखाए बिना या समाज को किसी आसान तरीके से दोष दिए बिना करते हैं। उदाहरण के लिए, जब वे अहल्या जैसे किरदार की बात करते हैं, तो वे कहानी में कन्फ्यूजन का सवाल उठाते हैं, जो पारंपरिक रूप से अहल्या को बेवफाई के लिए दोषी ठहराता है, लेकिन इंद्र और परेशान करने वाले तपस्वी पति गौतम के धोखे को नहीं देखता। यह सिर्फ़ एक उदाहरण है कि कैसे मुकुल उन औरतों के समझदार और तेज़ दिमाग में सफलतापूर्वक घुस जाते हैं जिन्हें किनारे कर दिया गया है या उनके लिए गए फैसलों के लिए गलत तरीके से दोषी ठहराया गया है। सड़कों से लेकर सार्वजनिक सेवाओं तक, सर्वेइंग टेक्नोलॉजी कैसे बढ़ा रही है सुरक्षा मेरा दूसरा पॉइंट मुकुल कुमार की स्कॉलरली, टेक्स्ट पर रिसर्च की तारीफ़ है। यह मुझे एक कल्चरल विरासत की पहचान के तौर पर प्रभावित करता है जो अर्धनारीश्वर कॉन्सेप्ट से शुरू होती है, यानी औरत और मर्द जुड़े हुए हैं और अलग नहीं, एक साथ रहते हैं, मुकाबला नहीं करते, एक-दूसरे का साथ देते हैं, और रुकावट नहीं डालते। मैं मुकुल कुमार की इस पूरी बात से सहमत हूँ कि भारत में फेमिनिज़्म जेंडर इक्वालिटी की पुरानी विरासत से आया है, जबकि बहुत बाद का वेस्टर्न फेमिनिस्ट मूवमेंट विरोधी जेंडर नज़रिए पर आधारित है। मनुस्मृति पर चैप्टर एक मास्टरपीस है क्योंकि यह एक कॉन्ट्रोवर्शियल टेक्स्ट है जहाँ संस्कृत के ग्रामर की अहम भूमिका है। मनुस्मृति की फेमिनिस्ट व्याख्या में, हमें दोनों बातों का ध्यान रखना होगा॰ महिलाओं पर लगाई गई पाबंदियाँ और सामाजिक और कॉस्मिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने में उनके मुख्य नियम की पहचान। (112)। मुकुल कुमार का तर्क पूरी तरह से मनुस्मृति के टेक्स्ट के हवाले पर आधारित है, जो टेक्स्ट में मौजूद विरोधाभासों को साफ तौर पर दिखाता है। एक और बेहतरीन एनालिसिस अर्थशास्त्र का है, जिसमें सामाजिक रूप से कमज़ोर महिलाओं के लिए राज्य की सुरक्षा पर कुछ बहुत ही मॉडर्न बातें कही गई हैं। उदाहरण के लिए, कहा गया है, वैश्याएँ राज्य और कोर्ट की सुरक्षा में रहेंगी (134)। एक महिला को उस पति को छोड़ने का अधिकार है जो उसके साथ बुरा बर्ताव करता है (135)। यह समझने के लिए कि ये निर्देश कितने सही हैं, आज भी हमें बस रोज़ अखबार देखना होगा, और सेक्स-वर्कर्स और घरेलू हिंसा पर होने वाली चर्चाओं को पढ़ना होगा। सिंगल और शादीशुदा दोनों तरह की औरतें कमज़ोर हैं और कानून के तहत सुरक्षा चाहती हैं। ये छोटे-छोटे उदाहरण हैं जो मैं लेखक द्वारा पेश की गई गहरी एनालिटिकल थीसिस के बारे में बता रहा हूँ। भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते हैं मेरा तीसरा पॉइंट पुराने फेमिनिज़्म पर इस किताब के प्रैक्टिकल इस्तेमाल के बारे में है। आखिर में, एक आज के स्कॉलर ने न सिर्फ़ टेक्स्ट्स बल्कि स्कल्पचर और न्यूमिज़्माटिक्स या सिक्कों की स्टडी के बड़े फ्रेमवर्क में शुरुआती दौर की एक रैशनल स्टडी की है, जिससे रेफरेंस का दायरा बढ़ गया है जिसमें औरतों को एक कॉम्प्लेक्स सोशल सिस्टम में दिखाया गया है। औरतें सिर्फ़ पत्नियाँ, बेटियाँ, माँ और घर की मालकिन ही नहीं हैं, बल्कि वे अपने समय की इकॉनमी और सोशियोलॉजी पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा, उन्हें चेंज एजेंट के तौर पर पेश करके, मुकुल कुमार औरतों का स्टेटस आँख बंद करके दब्बू जीवों से ऊपर उठाकर समझदार लोगों तक पहुँचाते हैं जो अपने समय के लोगों और नई पीढ़ी की सोच को गाइड करती हैं। मुकुल पेट्रियार्की के होने से इनकार नहीं कर रहे हैं, बल्कि भारत के इतिहास में एक्टिव पार्टिसिपेंट के तौर पर महिलाओं के हालात के दायरे में उनके काम करने के तरीके को दिखाकर इसके प्रति हमारे नज़रिए को बदल रहे हैं।

लाओस ने साइबर स्कैम नेटवर्क के खिलाफ़ पूरी ताकत से हमला करने का वादा किया

साइबर स्कैम नेटवर्क के खिलाफ़ जैसे-जैसे साइबर क्राइम सिंडिकेट पूरे साउथ-ईस्ट एशिया में फैल रहे हैं और भारतीय नागरिकों को तेज़ी से टारगेट कर रहे हैं, लाओस ने उन ट्रांसनेशनल स्कैम सेंटर्स पर और कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है जो दुनिया के सबसे फ़ायदेमंद क्रिमिनल बिज़नेस में से एक बन गए हैं। भारत के अपने ऑफिशियल दौरे के दौरान द पायनियर के साथ एक खास बातचीत में, लाओस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और फॉरेन मिनिस्टर थोंगसावन फोमविहाने ने कहा कि साइबर-स्कैम ऑपरेशन्स और ह्यूमन ट्रैफिकिंग नेटवर्क्स को खत्म करना उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्रायोरिटीज़ में से एक बन गया है, क्योंकि इस इलाके में ऑर्गनाइज़्ड क्राइम ग्रुप्स के तेज़ी से फैलने को लेकर इंटरनेशनल चिंता बढ़ रही है। मैडोना के कई विवाद फोमविहाने ने कहा, स्कैम सेंटर्स लाओस और दूसरे देशों के लिए एक चुनौती हैं। उनसे निपटना हमारी प्रायोरिटी है। हमारी सरकार उनसे एक्टिवली लड़ रही है, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि लाओस बॉर्डर पार चल रहे क्रिमिनल सिंडिकेट्स को रोकने के लिए पड़ोसी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उनकी यह बात ऐसे समय में आई है जब भारत साउथ-ईस्ट एशिया के कुछ हिस्सों, खासकर लाओस, म्यांमार और कंबोडिया में मौजूद साइबर-फ्रॉड ऑपरेशन्स में नागरिकों की बढ़ती संख्या से जूझ रहा है। कई पीड़ितों को नकली नौकरी के विज्ञापनों और धोखाधड़ी वाली नौकरी देने वाली एजेंसियों के ज़रिए भर्ती किया जाता है, जो विदेशों में अच्छे करियर का वादा करती हैं। इसके बजाय, वे खुद को बहुत ज़्यादा सुरक्षा वाले स्कैम कंपाउंड में फंसा हुआ पाते हैं और दुनिया भर में पीड़ितों को टारगेट करने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी स्कीमों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर होते हैं।द्धह्यश ऋद्धुस्त्र - सड़कों से लेकर सार्वजनिक सेवाओं तक, सर्वेइंग टेक्नोलॉजी कैसे बढ़ा रही है सुरक्षा भारत सरकार की तरफ़ से संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, साइबरक्राइम नेटवर्क विदेशों में भारतीयों को लुभाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और भर्ती चैनलों का तेज़ी से फ़ायदा उठा रहे हैं। एक बार स्कैम हब में पहुँचने के बाद, कई लोगों को कथित तौर पर ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, रोमांस स्कैम, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम और दूसरे डिजिटल क्राइम करने के लिए मजबूर किया जाता है। इसके जवाब में, लाओस, कंबोडिया और म्यांमार में भारतीय मिशनों ने बचाव और वापसी की कोशिशें तेज़ कर दी हैं। नई दिल्ली ने बार-बार मेज़बान सरकारों के साथ इस मुद्दे को उठाया है, जबकि दूतावास प्रभावित नागरिकों की रिहाई और वापसी को सुरक्षित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों, इमिग्रेशन एजेंसियों और कानून लागू करने वाली संस्थाओं के साथ तालमेल बिठाना जारी रखे हुए हैं। भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते हैं यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम की हालिया चेतावनी के बाद, पूरे क्षेत्र की सरकारों के सामने चुनौती और भी मुश्किल हो गई है, जिसमें कहा गया है कि पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया से शुरू हुए आपराधिक समूह तेज़ी से अपने पारंपरिक ठिकानों से आगे बढ़ रहे हैं। इस साल जारी एक बड़ी रिपोर्ट में, ह एजेंसी ने चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर ऑनलाइन स्कैम ऑपरेशन के पीछे के ऑर्गनाइज़्ड क्राइम सिंडिकेट कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और फिलीपींस जैसे पारंपरिक हॉटस्पॉट से एशिया और दुनिया के दूसरे इलाकों में नई जगहों पर तेज़ी से शिफ्ट हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिमिनल नेटवर्क एक ऐसी स्ट्रैटेजी अपना रहे हैं जिसे इन्वेस्टिगेटर हेजिंग स्ट्रैटेजी कहते हैं - यानी अपने ऑपरेशन को कानून लागू करने वाली एजेंसियों की कार्रवाई से बचाने के लिए एक ही समय में कई इलाकों में फैल रहे हैं। बनाना एजेंसी ने बताया कि जब भी अधिकारी किसी एक देश में स्कैम कंपाउंड को खत्म करते हैं, तो क्रिमिनल ऑपरेटर अक्सर कमज़ोर गवर्नेंस सिस्टम, कमज़ोर बॉर्डर और रेगुलेटरी कमियों का फ़ायदा उठाकर कहीं और शिफ्ट हो जाते हैं, फिर से बनाते हैं और फिर से ऑपरेशन शुरू कर देते हैं।

सड़कों से लेकर सार्वजनिक सेवाओं तक

सुरक्षित और टिकाऊ विकास के लिए सर्वेइंग टेक्नोलॉजी क्यों है अहम? फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर आज के समाज का एक ज़रूरी हिस्सा है, जहाँ इसकी सुरक्षा और मज़बूती सबसे ज़रूरी है। हर बार जब हम किसी अच्छे से मेंटेन किए गए हाईवे पर गाड़ी चलाते हैं, लाइट का स्विच दबाते हैं, या साफ़ बहते पानी का मज़ा लेते हैं, तो सटीक इंजीनियरिंग हमारी ज़िंदगी में शामिल हो जाती है। इंफ्रास्ट्रक्चर का दिल सर्वेइंग है, यह एक ऐसा काम है जो किसी डिज़ाइन को सुरक्षित, ठोस स्ट्रक्चर में बदलने के लिए बहुत ज़रूरी है। प्रोजेक्ट टीमें इन हाई-टेक जियोस्पेशियल सॉल्यूशन का इस्तेमाल उन जोखिमों को कम करने के लिए कर सकती हैं जो शायद पहले नज़र न आए हों, शहर के बजट को आसान बना सकती हैं, और दशकों तक पब्लिक सेफ्टी दे सकती हैं। मैडोना के कई विवाद किसी भी डेवलपमेंट या इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए फिजिकल लैंडस्केप का पूरी तरह से असेसमेंट बहुत ज़रूरी है। जानकार लैंड सर्वेइंग और जियोस्पेशियल इंजीनियर प्रॉपर्टी की सीमाओं को बताने, टोपोग्राफिक फीचर्स को रिकॉर्ड करने और किसी भी संभावित सबसरफेस खतरों की पहचान करने के लिए हाई-प्रिसिजन इंस्ट्रूमेंटेशन का इस्तेमाल करते हैं। यह बेसिक डेटा किसी बड़े हाईवे कॉरिडोर या यूटिलिटी नेटवर्क की लंबे समय तक स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी पक्का करने के लिए ज़रूरी है, इसके बिना भी। जॉब साइट पर भारी इक्विपमेंट के आने से पहले मेज़रमेंट से महंगे कानूनी झगड़ों और कंस्ट्रक्शन में होने वाली बड़ी नाकामियों को रोका जा सकता है। भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते हैं रोड सेफ्टी और हाईवे मॉडर्नाइजेशन को बेहतर बनाना आजकल की सड़कों में ज्योमेट्री, ढलान की स्टेबिलिटी और बारिश के पानी के बहाव के बारे में बहुत सारे कैलकुलेशन होते हैं। मोबाइल (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) टेक्नोलॉजी सर्वे क्रू को ट्रैफिक को धीमा किए बिना सड़क से लाखों डेटा पॉइंट कैप्चर करने में मदद करती है। सरफेस डिफेक्ट आइडेंटिफिकेशन। फुटपाथ पर घिसाव, गड्ढे और स्ट्रक्चरल शिफ्टिंग की पहचान करना, इससे पहले कि वे एक्सीडेंट का कारण बनें। बनाना साइट डिस्टेंस ऑप्टिमाइजेशन। खराब ड्राइविंग कंडीशन में ड्राइवर की सबसे अच्छी विजिबिलिटी के लिए हॉरिजॉन्टल और वर्टिकल कर्व का पता लगाना। डिजिटल ट्विन क्रिएशन। मौजूदा बहुत सटीक 3ष्ठ इंटरसेक्शन के आधार पर सुरक्षित एक्सपेंशन और मॉडर्न राउंडअबाउट का डिज़ाइन। इन एडवांस्ड स्कैनिंग टेक्नीक को लागू करने से इंजीनियर स्ट्रक्चरल कमजोरियों का अनुमान लगा सकते हैं और स्मार्ट और सुरक्षित ट्रांजिट कॉरिडोर बना सकते हैं। ज़मीन के नीचे यूटिलिटीज़ की सुरक्षा और आपदाओं को रोकना प्राचीन भारतीय साहित्य में घुसपैठ को चुनौती देना ज़मीन के नीचे यूटिलिटी नेटवर्क हमारे शहरों की छिपी हुई लाइफलाइन का काम करते हैं। खुदाई के दौरान गलती से हाई-वोल्टेज बिजली की लाइन या हाई-प्रेशर गैस मेन से टकराने से पूरे मोहल्ले ठप हो सकते हैं, गंभीर चोटें लग सकती हैं, और इमरजेंसी मरम्मत में लाखों का खर्च आ सकता है। एडवांस्ड सबसरफेस यूटिलिटी इंजीनियरिंग (SUE) ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) को जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (GIS) के साथ जोड़ती है। सर्वेयर पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर की सही गहराई और अलाइनमेंट का मैप बनाते हैं, जिससे भरोसेमंद डिजिटल ब्लूप्रिंट बनते हैं।

एआई काम पर :भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते हैं

भरोसा और साफ़ नियम हाइप से ज़्यादा मायने रखते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेज़ी से वर्कप्लेस में आ रहा है, लेकिन कुवैत में हुई एक नई स्टडी बताती है कि इसे अपनाना नए टूल्स को लेकर उत्साह पर कम और इस बात पर ज़्यादा निर्भर करेगा कि क्या ऑर्गनाइज़ेशन भरोसा बना सकते हैं, साफ़ पॉलिसी दे सकते हैं, और बदलाव के दौरान कर्मचारियों को सपोर्ट कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलियन यूनिवर्सिटी की सफ़ेया अफ़्टिमोस और अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की रांडा डियाब-बहमान की स्टडी, AI ऑर नॉट U􀀀AI? व्हेन सिनर्जीज़ कोलाइड, MDPI प्रोसीडिंग्स में पब्लिश हुई थी और कुवैत में डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन, सस्टेनेबिलिटी और AI पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रेज़ेंट की गई थी। मैडोना के कई विवाद एजुकेशन, ऑयल एंड गैस, टेलीकम्युनिकेशन और बैंकिंग में 153 पार्टिसिपेंट्स के सर्वे रिस्पॉन्स के आधार पर, रिसर्च में पाया गया है कि,द्ध का इस्तेमाल दो फ़ैक्टर्स से मज़बूती से जुड़ा है॰ पॉज़िटिव स्टेकहोल्डर सेंटिमेंट और सपोर्टिव इंस्टीट्यूशनल पॉलिसीज़। ,द्ध बज़ से आगे सभी इंडस्ट्रीज़ में, कर्मचारियों को प्रोडक्टिविटी बेहतर बनाने, एनालिसिस तेज़ करने, रूटीन टास्क को ऑटोमेट करने और डिसीज़न-मेकिंग में सपोर्ट करने के लिए एआई का इस्तेमाल करने के लिए तेज़ी से बढ़ावा दिया जा रहा है। लेकिन, कई वर्कप्लेस पर अभी भी इस बारे में साफ़ नियम नहीं हैं कि कौन से एआई टूल्स इस्तेमाल किए जा सकते हैं, कौन सा डेटा शेयर किया जा सकता है, कब इंसानी निगरानी की ज़रूरत है, और जब,द्ध-सपोर्टेड फ़ैसले गलत होते हैं तो कौन ज़िम्मेदार होगा, जिससे कन्फ़्यूज़िंग माहौल बनता है। सर्वेइंग टेक्नोलॉजी कैसे बढ़ा रही है सुरक्षा वर्कर्स को एआई के साथ इनोवेट करने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन उन्हें कॉन्फिडेंशियलिटी भंग करने, गलत काम करने, या साफ़ नहीं इंस्टीट्यूशनल नियमों का उल्लंघन करने का भी डर हो सकता है। मैनेजर एफिशिएंसी में बढ़ोतरी चाहते हैं, लेकिन उन्हें इम्प्लीमेंटेशन को गाइड करने के लिए गवर्नेंस फ्रेमवर्क की कमी होती है। इंस्टीट्यूशन डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन को बढ़ावा दे सकते हैं, जबकि एम्प्लॉई को रिस्क और ज़िम्मेदारियों के बारे में कन्फ़्यूज़न छोड़ सकते हैं। यह स्टडी इस टेंशन को तीन-पार्ट के फ्रेमवर्क के ज़रिए जांचती है॰ इंस्टीट्यूशनल पॉलिसी, स्टेकहोल्डर सेंटिमेंट और ,द्ध का इस्तेमाल।द्ध अपनाने को एक अकेला टेक्निकल मुद्दा मानने के बजाय, रिसर्चर्स का तर्क है कि इस्तेमाल ऑर्गेनाइज़ेशनल नियमों, इंसानी नज़रिए और वर्कप्लेस कैपेबिलिटी के बीच इंटरैक्शन से तय होता है। भरोसा अपनाने को बढ़ावा देता है स्टडी में स्टेकहोल्डर सेंटिमेंट और AI के इस्तेमाल के बीच एक मज़बूत रिश्ता पाया गया। रिसर्चर्स ने 0.80 की पियर्सन कोरिलेशन वैल्यू बताई है, जो एआई के प्रति अच्छे नज़रिए और रिपोर्ट किए गए एआई इस्तेमाल के बीच एक मज़बूत पॉज़िटिव जुड़ाव दिखाती है। आसान शब्दों में कहें तो, लोग एआई का इस्तेमाल तब ज़्यादा करते हैं जब उन्हें लगता है कि यह उनके काम के लिए काम का, भरोसेमंद और काम का है। अगर उन्हें एआई भरोसे लायक नहीं, रिस्की, खतरनाक या ठीक से समझाया नहीं गया लगता है, तो वे इसे सही तरीके से अपनाने की संभावना कम रखते हैं। प्राचीन भारतीय साहित्य में घुसपैठ को चुनौती देना कई ऑर्गनाइज़ेशन मानते हैं कि टूल मिलने के बाद इसे अपनाया जाएगा। स्टडी कुछ और ही बताती है। सिर्फ़ एक्सेस काफ़ी नहीं है। कर्मचारियों को कॉन्फिडेंस की ज़रूरत होती है। उन्हें यह समझने की ज़रूरत है कि एआई कैसे काम करता है, यह कहाँ मदद करता है, कहाँ फेल होता है, और उनका ऑर्गनाइज़ेशन उनसे इसके इस्तेमाल की उम्मीद कैसे करता है। बैंकिंग, एजुकेशन, टेलीकम्युनिकेशन और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टर में, जो सेंसिटिव डेटा, सेफ्टी की चिंताएँ, पब्लिक इंटरेस्ट की ज़िम्मेदारियाँ और हाई-वैल्यू फ़ैसले संभालते हैं, वहाँ भरोसा बहुत ज़रूरी है। इन जगहों पर एआई के इस्तेमाल को कैज़ुअल एक्सपेरिमेंट नहीं माना जा सकता। इसके लिए टेक्नोलॉजी और इसे मैनेज करने वाले इंस्टीट्यूशन, दोनों पर कॉन्फिडेंस की ज़रूरत होती है। साफ़ पॉलिसी ज़िम्मेदार इनोवेशन को आगे बढ़ा सकती हैं स्टडी में इंस्टीट्यूशनल पॉलिसी और एआई के इस्तेमाल के बीच एक मज़बूत पॉज़िटिव रिश्ता भी पाया गया है, जिसका पियर्सन कोरिलेशन वैल्यू 0.73 है। इससे पता चलता है कि मज़बूत इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट, लीडरशिप का साथ और रिसोर्स एलोकेशन, AI को ज़्यादा अपनाने से जुड़े हैं। यह नतीजा इस सोच को चुनौती देता है कि पॉलिसी हमेशा इनोवेशन को धीमा कर देती है।द्ध के मामले में, साफ़ नियम असल में ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल को बढ़ावा दे सकते हैं। जब कर्मचारियों को पता होता है कि क्या अलाउड है, क्या मना है, और कौन से सेफ़गार्ड लागू होते हैं, तो वे AI का इस्तेमाल भरोसे के साथ करने की ज़्यादा संभावना रखते हैं। कमज़ोर या न होने वाली पॉलिसी का उल्टा असर हो सकता है। कुछ कर्मचारी AI से बच सकते हैं क्योंकि उन्हें गलतियाँ करने का डर होता है।

ग्राम चिखलपाटी में रेत के अवैध भंडारण पर 13 लाख 31 हजार 250 की अर्थदण्ड राशि की प्रस्तावित

बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम चिखलपाटी की भड़ंगा नदी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध भण्डारण के प्रकरण में खनिज विभाग ने 13 लाख 31 हजार 250 की अर्थदण्ड राशि की प्रस्तावित की है। विदित है कि 8 जून को घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम चिखलपाटी की भड़ंगा नदी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध भण्डारण की सूचना मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाहपुर के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं खनिज अमले द्वारा संयुक्त रूप से छापामार कार्यवाही की गई थी, जिसमें अवैध भण्डारणकर्ता चंद्रकांत पिता प्रशांत मंडल, निवासी फुलबेरिया तहसील घोड़ाडोंगरी के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण नियम 2022 के नियम 18 (2) के तहत कार्यवाही करते हुए कुल राशि 13, 31, 250 की शास्ति प्रस्तावित कर प्रकरण न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पूर्व के वर्षों में भी घोड़ाडोंगरी और शाहपुर क्षेत्र में रेत के अवैध भण्डारण पर खनिज नियमों के तहत कार्यवाही की गई है। उक्त क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध भण्डारण पर कार्यवाही करते हुए वर्ष 2023 में कुल 03 प्रकरण, वर्ष 2024 में कुल 21 प्रकरण, वर्ष 2025 में कुल 03 प्रकरण दर्ज किए जाकर निराकरण के लिए न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किए गए थे।

ब्लूबेरी कंपनी किसानों और मजदूरों का कर रही शोषण -राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खान स्वतंत्र किसान पार्टी ने निष्पक्ष जांच नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी दी

बैतूल। स्वतंत्र किसान पार्टी ने ब्लूबेरी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड पर किसानों और मजदूरों के हितों की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अयाज खान ने एक ओर मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नहीं देने तथा श्रम कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है, वहीं दूसरी ओर किसानों के हिस्से के पानी का उपयोग कर खेती और सिंचाई व्यवस्था को प्रभावित करने का दावा किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अयाज खान ने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा मजदूरों से अधिक काम लिया जा रहा है, लेकिन उन्हें समय पर और निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा। उन्होंने मजदूरों को वेतन पर्ची, पहचान पत्र, बीमा सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने और ठेका प्रथा पर रोक लगाने की भी बात कही गई है। वहीं किसानों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने कहा कि डहरगांव क्षेत्र में किसानों के लिए उपलब्ध जल संसाधनों का उपयोग निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि वर्धा बांध और अन्य जल स्त्रोतों का पानी पहले किसानों की सिंचाई और ग्रामीणों की पेयजल जरूरतों के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। किसानों ने जल संसाधनों के कथित निजीकरण का विरोध करते हुए पानी की चोरी और व्यापार पर रोक लगाने की मांग की है। स्वतंत्र किसान पार्टी ने मांग की है कि क्षेत्र के किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप करे तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो ब्लूबेरी कंपनी के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पेंशनरों निकाली रैली मांगों को लेकर तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

चिचोली। प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के तत्वावधान में अपनी लंबित मांगों को लेकर पेंशनरों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय में तहसीलदार पी.एस. दीवान को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व पेंशनर संघ भवन पर बड़ी संख्या में पेंशनर एकत्रित हुए, जहां से उन्होंने रैली निकाली। रैली नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची तथा नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। वहां तहसीलदार को सात सूत्रीय मांगों संबंधी ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) को तत्काल समाप्त किया जाए। राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही कैशलेस बीमा योजना में कर्मचारियों से एक प्रतिशत एवं पेंशनरों से चार प्रतिशत प्रीमियम लेने का प्रावधान समाप्त कर पेंशनरों से किसी प्रकार का प्रीमियम न लिया जाए। इसके अलावा कोरोना काल का एरियर, छठवें वेतनमान का 32 माह तथा सातवें वेतनमान का 27 माह का एरियर ब्याज सहित भुगतान किया जाए। पेंशनरों ने यह भी मांग की कि 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मिलने वाले 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन लाभ को 79 वर्ष पूर्ण होने पर ही प्रदान किया जाए। कर्मचारियों की तरह पेंशनरों को भी आपदा राहत राशि का भुगतान किया जाए तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षकों को प्रशिक्षण अवधि से पूर्ण नियमित वेतनमान का लाभ दिया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुरली कुमार आर्य, सचिव शिवशंकर दुबे, सुनील सूर्यवंशी, अनिल सूर्यवंशी, मनोज आंवलेकर, प्रदीप जैन, उदेशा वरकड़े, जिल्लू सिंह इवने, सुभाष आर्य, विष्णुदत्त माचीवार,राधे लाल कहार ,जगन कुमरे , शंकर घोडकी देवजी सलामे हीरालाल विश्वकर्मा, पूरनलाल मालवीय सहित लगभग एक सैकड़ा पेंशनर उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ इंडिया आमला शाखा में अव्यवस्थाओं का अंबार,मूलभूत सुविधाओं के अभाव से ग्राहक परेशान

पार्किंग नहीं, बैठने की व्यवस्था नहीं, बैंक ग्राहकों की बढ़ी मुश्किलें

संवाददाता

आमला। नगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया की आमला शाखा इन दिनों ग्राहकों की परेशानियों का कारण बनी हुई है। बैंक में आने वाले खाताधारकों को जहां पार्किंग, बैठने और वाहन खड़े करने जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है, वहीं लंच टाइम के दौरान बैंकिंग कार्य पूरी तरह प्रभावित होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ग्राहकों के अनुसार बैंक परिसर में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं है। इसके चलते लोगों को अपने वाहन सड़क किनारे खड़े करने पड़ते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बैंक के सामने दोपहिया वाहनों के लिए भी कोई निर्धारित स्टैंड नहीं होने से अव्यवस्था का माहौल बना रहता है। बैंक में प्रतिदिन बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले खाताधारक पहुंचते हैं, लेकिन उनके बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। लंबी कतारों में ग्राहकों को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। सबसे गंभीर शिकायत बैंक के लंच टाइम को लेकर सामने आई है। ग्राहकों का आरोप है कि दोपहर के समय बैंक के सभी काउंटर एक साथ बंद कर दिए जाते हैं और मुख्य गेट तक बंद कर दिया जाता है। इससे बैंकिंग कार्य पूरी तरह ठप हो जाता है और दूर-दराज से आने वाले लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों और खाताधारकों ने बैंक प्रबंधन एवं उच्च अधिकारियों से मांग की है कि शाखा में पार्किंग, बैठने की व्यवस्था, वाहन स्टैंड सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा लंच टाइम के दौरान भी कम से कम आवश्यक बैंकिंग सेवाएं जारी रखी जाएं। ग्राहकों का कहना है कि बैंक की शाखा में प्रतिदिन सैकड़ों लोग अपने जरूरी कार्यों के लिए पहुंचते हैं, इसलिए मूलभूत सुविधाओं और बेहतर व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी है। नागरिकों ने शीघ्र सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, पीआईसी बैठक में उठाए जनहित और कर्मचारी हित के मुद्दे, बड़ाईचाल-बल्लाचाल क्षेत्र में मोक्ष धाम निर्माण की मांग

जरूरत पड़ी तो अपने पार्षद मानदेय और जनसहयोग से बनवाऊंगी मोक्ष धाम - खुशबू विजय अतुलकर

संवाददाता

आमला।वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद एवं यूथ कांग्रेस जिला महासचिव कुमारी खुशबू विजय अतुलकर ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर नेहरू पार्क के सामने स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके पश्चात पार्षद खुशबू पी आई सी की बैठक में नगर पालिका कार्यालय में शामिल हुई कई जनहित एवं कर्मचारी हित के महत्वपूर्ण मुद्दों को सर्वसम्मति से पारित किया गया और डिवाइडर निर्माण में घटिया सामग्री लगाने को लेकर ठेकेदार को समझाइश एवं चेतावनी दी गई इसके साथ ही रेस्ट हाउस के सामने सड़क के किनारे दुकान लगाने वाले व्यापारी भाइयों को भी व्यवस्थित करने पर चर्चा की गई पार्षद ने बताई की बैठक के पश्चात मेरे द्वारा अनु विभागीय अधिकारियों के नाम से अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आमला को एक पत्र सौपा गया पत्र में बडाईचाल एवं बल्लाचाल क्षेत्र में मोक्ष धाम निर्माण की मांग की है जो पी आई सी द्वारा दिनांक 26 5 2023 को स्वीकृत कर लिया गया है मेरे द्वारा सांसद महोदय श्री डीडी ऊईके को भी इस मोक्ष धाम निर्माण के लिए पत्र लिखा गया था लेकिन आज दिनांक तक इस मुद्दे पर नगर पालिका द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई थी जिसे मैं पुनः आज अध्यक्ष महोदय के संज्ञान में इस प्रस्ताव को दे रही हूं पार्षद ने कहा कि शासन प्रशासन अगर मोक्ष धाम निर्माण करवाने में असमर्थ है तो हमें शासकीय भूमि आवंटित की जाए जिसे मैं अपने पार्षद पद के मानदेय से और जन सहयोग से इस क्षेत्र में मोक्ष धाम निर्माण करने की कोशिश करूंगी आगे पार्षद ने बताया की अध्यक्ष महोदय द्वारा जल्द ही इस क्षेत्र में मोक्ष धाम का निर्माण करने का आश्वासन मुझे दिया है पत्र सौपते समय मुख्य रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी नितिन बिंजवे नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे नगर पालिका उपाध्यक्ष किशोर माथनकर पार्षद श्रीमती दीक्षा मयूर सूरजेकर पार्षद सुनील उईके पूर्व पार्षद विजय अतुलकर नगर कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह सोलंकी भाजपा नेता मयूर सूरजेकर नगर पालिका कर्मचारी उपयंत्री सुभाष शर्मा प्रकाश देशमुख अरुण पवार उल्लास जोशी गणेश हारोडे मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुलताई में साधकों से मिले भागवत कथाकार देवकीनंदन ठाकुर, बोले- धर्म जागरण में बापूजी का योगदान अविस्मरणीय

बैतूल। मुलताई में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान प्रसिद्ध भागवत कथाकार, शांतिदूत देवकीनंदन ठाकुर ने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में संत श्री आशारामजी बापू के योगदान को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि उन्होंने अधर्म के विरुद्ध धर्म का जितना प्रचार किया, उतना कोई नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि सत्य की जीत होगी और पूज्य बापूजी शीघ्र बाहर आएंगे। मां ताप्ती की नगरी मुलताई में 6 जून से 12 जून तक मेला ग्राउंड में प्रतिदिन दोपहर साढ़े तीन बजे से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान मंगलवार को श्री योग वेदांत सेवा समिति बैतूल एवं मुलताई के दर्जनों साधकों ने प्रसिद्ध भागवत कथाकार एवं शांतिदूत देवकीनंदन ठाकुर से उनके अस्थायी निवास पर सौजन्य भेंट की। समिति के संरक्षक राजेश मदान ने बताया कि कथा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। इस दौरान साधकों ने देवकीनंदन ठाकुर का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया तथा उन्हें पूज्य बापूजी की तस्वीर एवं सत्साहित्य भी भेंट किया। मुलाकात के दौरान समिति संरक्षक राजेश मदान ने पूज्य बापूजी से जुड़े न्यायालयीन प्रकरणों की जानकारी देते हुए विस्तृत चर्चा की। इस पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि उन्होंने अपनी कथाओं में पूज्य बापूजी के समर्थन में निर्भीक होकर आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि सनातन हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए पूज्य बापूजी ने जो कार्य किए हैं, उनका एक प्रतिशत भी मैं नहीं कर पाया हूं। देवकीनंदन ठाकुर ने साधकों से गुरु द्वारा प्रदत्त गुरुमंत्र का खूब श्रद्धापूर्वक जप करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग से गुरु के प्रति भक्ति और श्रद्धा प्रबल होती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से प्रतिदिन कथा में पहुंचकर सत्संग का लाभ लेने की अपील भी की। इस अवसर पर समिति संरक्षक राजेश मदान, शैलेन्द्र रघुवंशी, बंसीलाल सोनी, सुजल टुटेजा, दूर्वा टुटेजा, मुलताई आश्रम संचालक अजय नथानी, दिनेश बाथरे, चिरोंजीलाल पठाडे, सुधाकर पाठेकर, डी.आर. गायकवाड, श्रीमती गीता गायकवाड, किशनलाल सेंद्रे, दिलीप पाल, नंदपवन देशमुख, श्रीमती अनीता ढोमने, श्रीमती संगीता शिवहरे, ओम शिवहरे, किस्मतराव साबले, सिंधुबाई पांसे, प्रमिला सेंद्रे, प्रीति बाथरे सहित बड़ी संख्या में साधक भाई-बहन उपस्थित रहे।

अजाक्स संगठन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर दिया सामाजिक संदेश

संवाददाता

आमला। नगर के नेहरू पार्क स्थित बिरसा मुंडा परिसर में शाम को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 126वी पुण्यतिथि (शहादत दिवस) के अवसर पर अजाक्स संगठन आमला द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमे उपस्थित संगठन के सभी सदस्यों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के श्री चरणों में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई अजाक्स संगठन के पदाधिकारीगण जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेले, तहसील अध्यक्ष राजाराम नागले, ब्लॉक अध्यक्ष रेखा धुर्वे, ब्लॉक प्रभारी अशोक धुर्वे, तहसील उपाध्यक्ष शिवप्रसाद गुजरे, जिला सहसचिव देवानंद धुर्वे आदि ने अपने उदबोधन में मुख्य रूप से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन आदर्शो, उनके द्वारा किये गए सामाजिक जागरूकता के कार्य व जल जंगल जमीन को संरक्षित रखे जाने की उनकी प्रतिबद्धता, आधुनिक समय में समाज को उनके नैतिक मूल्यों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ाने हेतु अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए, इस अवसर पर अजाक्स संगठन के संदीप बिसन्द्रे, दवतसिंह धुर्वे, श्यामसिंह धुर्वे, सरिता चौकीकर, रिंदों उइके, जगदीश निरापुरे, राजेश मानकर, कैलाश सलाम, हरिदास बड़ोदे चौकीकर जी, मानसिंह सलाम, बालाराम मर्सकोले,चंद्रपाल उइके सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे7

नगर पालिका, पंचायत की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की प्रेक्षक श्री सिंह ने की समीक्षा

बैतूल स्थानीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के तहत नगर पालिका एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 कार्य की समीक्षा बुधवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक में की गई। बैठक में प्रेक्षक श्री शशि भूषण सिंह सेवानिवृत्ति आईएस ने जिले की नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का विस्तार से जायजा लिया। समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों ने निकायवार पुनरीक्षण कार्य प्रगति की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। प्रेक्षक श्री सिंह ने निकायवार वार्डों की संख्या, कुल मतदाताओं की स्थिति, नवमतदाताओं के पंजीयन, नाम विलोपन, संशोधन तथा प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने दावे एवं आपत्तियों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल होना तथा अपात्र नामों का नियमानुसार विलोपन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड पर रहने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद, एसडीएम, तहसीलदार, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद सीईओ उपस्थित थे।

परमा एकादशी व्रत पूजन अनुष्ठान समारोह 11 को

बैतूल।

युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में परमा एकादशी (पुरुषोत्तमी एकादशी) व्रत पूजन अनुष्ठान समारोह का आयोजन 11 जून दिन गुरुवार को तुलसी भवन विनोबा वार्ड बैतूल में शाम 6 बजे से आयोजित की जाएगी। पंडित पुष्पेंद्र तिवारी ने बताया कि परमा एकादशी हर 3 साल में एक बार आने वाली अत्यंत दुर्लभ और पुण्य फलदायी तिथि है। इस दिन व्रत पूजन अनुष्ठान पूजन करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य मिलता है। इस व्रत के प्रभाव से साधक की आर्थिक तंगी दूर होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है। इसी व्रत के प्रभाव से राजा हरिश्चंद्र को पुत्र स्त्री और राज्य पुनः प्राप्त हुआ था। पंडित पुष्पेंद्र तिवारी ने बताया कि परमा एकादशी करने वाले मनुष्य यदि ब्राह्मणों को 5 दिन तक भोजन कराते हैं तो उन्हें समस्त संसार के भोजन करने का फल प्राप्त होता है। इस व्रत में जो घोड़े दान करते हैं उन्हें तीन लोक का दान करने का फल मिलता है। जो मनुष्य तिलों का दान करते हैं वह तिलों की संख्या के बराबर दिनों तक विष्णु लोक में निवास करते हैं । जो मनुष्य घी का पात्र दान करते हुए सूर्य लोक को जाते हैं। पंडित पुष्पेंद्र तिवारी ने बताया कि परमा एकादशी का विशेष महत्व है क्योंकि यह तीन वर्ष में एक बार पड़ती है और इस व्रत को करने से दरिद्रता दूर होती है और व्यक्ति धीरे-धीरे प्रभु कृपा से धनवान बन जाता है।

घोड़ाडोंगरी में भीषण गर्मी के बीच युवा पीढ़ी बनी मानवता की मिसाल अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा क्रह शीतल जल सेवा 15 जून तक

घोड़ाडोंगरी। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है और आमजन परेशान हैं, वहीं अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में नगर की युवा पीढ़ी मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। नगर के नागरिकों के सहयोग से दिनांक 26 अप्रैल से रेलवे स्टेशन पर निशुल्क ऋह शीतल जल सेवा अभियान प्रारंभ किया गया, जो निरंतर जारी है। इस अभियान में नगर के सेवाभावी युवा बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए भीषण गर्मी एवं तेज धूप में यात्रियों को शुद्ध, ठंडा (ऋह) जल पिलाने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। ट्रेन के रुकते ही युवा कार्यकर्ता डिब्बों तक पहुंचकर यात्रियों को स्वच्छ एवं शीतल जल उपलब्ध कराते हैं, जिससे विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चों को अत्यधिक राहत मिल रही है। इस संबंध में गायत्री परिवार के तहसील समन्वयक डॉ. मनोज पाटणकर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सेवा अभियान 15 जून तक संचालित किया जाएगा, जो इसका अंतिम दिवस रहेगा। उन्होंने बताया कि अधिक मास की समाप्ति के उपलक्ष्य में इस निशुल्क जल सेवा का समापन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्यासे को पानी पिलाना सर्वोच्च पुण्य माना गया है। इस अभियान में नगर के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। नागरिक तन, मन एवं धन से इस सेवा में सहभागिता निभा रहे हैं।डॉ मनोज पाटणकर जी, संतोष पाराशर जी, कृष्णगोपाल अग्रवाल जी दसरथ गीद जी,, महादेव पांसे जी, गोविंदा अग्रवाल जी,विशाल घोड़की,प्रदीप धुर्वे जी,मनीष साहू, शैलेन्द्र सिलार जी, मुन्ना अमरवंशी,अनुराग अग्रवाल जी,रिंकू अग्रवाल, योगेश पवार,आशीष यादव, राहुल अग्रवाल जी,राहत पवार, रमन खानुजा, राकेश अरोरा, सोनू सलूजा, बाबू सपरा,नीरज, नैतिक नामदेव, मानस साहू, गौतम पाटले, राघव अग्रवाल

बिजली उपभोक्ताओं को अलर्ट फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए हो रही ठगी

साइबर जालसाजों से सावधान रहें, बिल भुगतान केवल अधिकृत माध्यमों से करें

बैतूल मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान हेतु कंपनी के पोर्टल श्चश्वह्ल्ह्म्ड्डद्य.द्वश्च5.द्बठ्ठ (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने हेतु किसी निजी मोबाईल नंबर से कॉल कर भुगतान करने हेतु कोई एसएमएस/ व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा जारी किए गए एसएमएस केवल सीसीएमपीसीजेड एवं व्हाट्सएप केवल 07552551222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें। कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने हेतु कहा जाता है जिसमें बिल भुगतान कराने के लिए भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने हेतु विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/एप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं, इन पर ध्यान नहीं दिया जाए। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। साइबर फ्रॉड संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल भारत सरकार की हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराए।

ग्राम पंचायत रम्भा में पशु उपयोगी टांका निर्माण पर उठे सवाल,ग्रामीणों ने चयनित स्थानों पर जताई आपत्ति

संवाददाता

जनपद पंचायत भीमपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रम्भा में पशुओं के लिए बनाए जा रहे उपयोगी टांका (जल संरचना) के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों के बीच असंतोष देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि टांका निर्माण के लिए जिन स्थानों का चयन किया गया है, वे सार्वजनिक उपयोग की दृष्टि से उपयुक्त नहीं हैं, जिससे भविष्य में पशुपालकों और उनके पशुओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत द्वारा एक टांका गांव के एक जनप्रतिनिधि के घर के पीछे निर्माण कराया जा रहा है। उनका कहना है कि यह स्थान गांव के अधिकांश पशुपालकों की पहुंच से दूर है तथा यहां सभी पशुओं का एकत्र होकर पानी पीना संभव नहीं होगा। ग्रामीणों का मानना है कि इस प्रकार की सार्वजनिक सुविधा का निर्माण ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां पूरे गांव के पशुओं को समान रूप से लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि दूसरा टांका भी ऐसे स्थान पर बनाया जा रहा है जो पशुओं की सुविधा के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि पशु उपयोगी टांका का निर्माण गांव के ऐसे केंद्रीय और सुरक्षित स्थान पर होना चाहिए जहां पर्याप्त खुला क्षेत्र उपलब्ध हो, पशुओं को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा बड़ी संख्या में पशु एक साथ पानी पी सकें। ग्रामीणों के मुताबिक टांका निर्माण के लिए ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जहां पहले से ट्यूबवेल, बोरवेल या अन्य जलस्त्रोत उपलब्ध हों, ताकि वर्षभर पानी की उपलब्धता बनी रहे। साथ ही स्थान ऐसा हो जहां पशुओं की आवाजाही सुरक्षित रहे और

दुर्घटना की आशंका न हो। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं जनपद पंचायत प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण कर तकनीकी परीक्षण कराया जाए तथा यदि चयनित स्थान अनुपयुक्त पाए जाते हैं तो टांका निर्माण के लिए नए और सार्वजनिक हित वाले स्थानों का चयन किया जाए। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य आमजन और पशुपालकों को लाभ पहुंचाना है, इसलिए निर्माण कार्य भी उसी भावना के अनुरूप होना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस विषय पर ध्यान नहीं दिया गया तो लाखों रुपये की लागत से बनने वाली यह संरचना अपने मूल उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएगी और इसका लाभ सीमित लोगों तक ही सिमट कर रह जाएगा। अब ग्रामीणों की निगाह प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है। इस सम्बन्ध में जनपद सीईओ से बात कि तो उन्होंने कहा कि जल्द ही इसकी जांच की जाएगी और उचित स्थान पर टाका बनाया जाएगा

तीन साल से सूखे पड़े नल,चार दिन बहा पानी और फिर बंद आखिर किसे दिखाने के लिए चल रही थी जल जीवन मिशन की व्यवस्था

130 आदिवासी परिवार अब भी बूंद-बूंद को मोहताज, कलेक्टर की चौपाल से पहले शुरू हुई सप्लाई ट्रांसफार्मर जलते ही ठप प्रशासन और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

सारनी।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक नल से जल पहुंचाने का दावा कर रही है। वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन घोड़ाडोंगरी विकासखंड की ग्राम पंचायत सुखाढाना में यह योजना धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है।सुखाढाना पंचायत में पिछले तीन वर्षों से नल-जल योजना का कार्य जारी है,लेकिन आज तक सुखाढाना गांव के करीब 130 परिवारों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल सकी है।जबकि इसी पंचायत के बिसलदेही गांव के 120 और चोरडोंगरी के 82 परिवारों के घरों तक न केवल नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं बल्कि उन्हें नियमित पानी भी मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिला कलेक्टर की रात्रि चौपाल विक्रमपुर पंचायत में आयोजित होने की सूचना मिलने के बाद अचानक सुखाढाना में चार दिनों तक पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई।इससे ग्रामीणों को उम्मीद जगी कि वर्षों का इंतजार खत्म हो गया है, लेकिन यह खुशी महज चार दिन ही टिक सकी।बताया जा रहा है कि नल-जल योजना की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़ा 25 किलोवाट का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पिछले 10 दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद है।सवाल यह है कि तीन साल की प्रतीक्षा के बाद केवल चार दिन पानी मिलने के बाद व्यवस्था फिर से क्यों चरमरा गई है।ग्रामीणों और स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यदि ट्रांसफार्मर वारंटी अथवा गारंटी अवधि में है तो उसे तत्काल बदला जाना चाहिए था,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।इससे यह संदेह भी गहरा रहा है कि कहीं चार दिन की जलापूर्ति केवल प्रशासनिक अधिकारियों और कलेक्टर को व्यवस्था का बेहतर चित्र दिखाने के लिए तो नहीं की गई थी।भीषण गर्मी के बीच आदिवासी बहुल सुखाढाना गांव के घरों में नल तो लग गए हैं,लेकिन उन नलों से पानी आने का इंतजार अब भी जारी है।करोड़ों रुपये की योजना के बावजूद ग्रामीणों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर तीन वर्षों से अधूरी पड़ी इस योजना की जिम्मेदारी कौन लेगा क्या बारिश शुरू होने से पहले सुखाढाना के 130 परिवारों को नियमित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा,या फिर सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई यूं ही बनी रहेगी।

हर कार्यकर्ता जिम्मेदारी को सेवा का माध्यम मानकर कार्य करें - कांतदेव सिंह

संगठनात्मक आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा की जिला बैठक संपन्न

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक कामकाजी मासिक बैठक जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभागीय संगठन प्रभारी कांतदेवसिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 12 वर्ष संगठन की कार्य योजनाओं को धरातल पर मजबूती से लाने की जिम्मेदारी हर कार्यकर्ता की है। इस जिम्मेदारी को हमें सेवा का माध्यम मानकर पूरा करना है। श्री कांतदेव ने मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और संगठन की कार्ययोजनाओं को धरातल पर मजबूती से उतारने को लेकर विस्तृत चर्चा की। संगठन की प्रगति और सेवा के संकल्प के साथ निरंतर अग्रसर कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देशित किया। बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि देश के जनप्रिय एवं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों की सफलता आज के कालखण्ड में आवश्यक है। श्री उइके ने कहा कि विपक्ष में जो किरदार है वे नकारात्मक उर्जा के साथ व्यवहार कर रहे है। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि मोदी जी के 12 वर्षो के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के ऐतिहासिक कार्यो और योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों के तहत पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण जैसे अभियानों को भी गति दी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी का मुख्य आधार हमारे ऊर्जावान और निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। श्री पवार ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपनी अपनी जिम्मेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ 21 जून तक होने वाले सभी संगठनात्मक कार्यक्रमों के को लेकर घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं के साथ हितग्राहियों के बीच संपर्क करना है और सरकार की योजनाओं को पहुंचाना है। बैठक का संचालन 12 वर्षो के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के अभियान के जिला संयोजक कृष्णा गायकी ने किया एवं अंत में आभार जिला टोली के सदस्य देवीसिंह ठाकुर ने व्यक्त किया। जिले की मासिक बैठक में विधायक चंद्रशेखर देशमुख, डा.योगेश पंडाग्रे, गंगा उइके मंचासीन रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष और मोर्चो के जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे।

अंडर-13 और अंडर-15 क्रिकेट टीम के लिए ट्रायल आज से बैतूल, हरदा और नर्मदापुरम के खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में लेंगे भाग

बैतूल।

मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-13 एवं अंडर-15 मल्टी डे इंटर डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रयोगात्मक रूप से दो अतिरिक्त टीमों को शामिल करने की योजना के तहत संभाग स्तरीय ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के मानसेवी सचिव प्रदीप तोमर ने बताया कि ट्रायल 11 से 13 जून तक एमपीसीए ग्राउंड नर्मदापुरम में आयोजित होंगे, जिनमें बैतूल, हरदा और नर्मदापुरम जिले के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। अंडर-13 वर्ग के लिए 1 सितंबर 2013 से 31 अगस्त 2016 तथा अंडर-15 वर्ग के लिए 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2013 के बीच जन्मे खिलाड़ी पात्र होंगे। अंडर-13 खिलाड़ियों के ट्रायल 11 जून और अंडर-15 खिलाड़ियों के ट्रायल 12 जून को सुबह 8 बजे से होंगे। सभी प्रतिभागियों को डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी साथ लानी होगी। एमपीसीए मैनेजिंग कमेटी सदस्य अनुराग मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के 10 संभागों की टीमों के अलावा दो अतिरिक्त टीमों को शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक और मंच देना है। चयन प्रक्रिया एमपीसीए के चयनकर्ता अंकित श्रीवास्तव एवं प्रवीण लोगरस की देखरेख में संपन्न होगी, जबकि नितेश राजपूत समन्वयक की भूमिका निभाएंगे। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की अपील की है।

नगर पालिका ने कमानी गेट से गोठाना रोड तक हटाया अतिक्रमण हर बुधवार चलेगा विशेष अभियान

बैतूल। शहर को व्यवस्थित, सुंदर और जाममुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाने और पात्र हितग्राहियों के पुनर्व्यवस्थापन का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत बुधवार को कमानी गेट से गोठाना रोड तक फैले अतिक्रमणों पर संयुक्त कार्रवाई की गई। नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के अमले ने मिलकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटाए, जिससे यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगर पालिका के अनुसार शहर में फैले बेतरतीब अतिक्रमणों को व्यवस्थित करने के लिए प्रत्येक बुधवार को अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। पूर्व में अतिक्रमणकर्ताओं से शपथ-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए गए थे, जिनमें यह सुनिश्चित किया गया कि संबंधित व्यक्ति बैतूल का स्थायी निवासी हो, उसका समग्र आईडी और आधार कार्ड स्थानीय हो तथा उसकी अन्यत्र कोई दुकान संचालित न हो। इस प्रक्रिया में कुल 565 हितग्राहियों ने अपने प्रमाण-पत्र नगर पालिका को प्रस्तुत किए थे। नगर पालिका अब इन्हीं 565 पात्र हितग्राहियों को शहर के पांच निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित करने की कार्रवाई कर रही है। इसके तहत नंदी चौक के सामने फल बाजार विकसित किया जाएगा, जबकि ज्योति टॉकीज के सामने, कांतीशिवा टॉकीज के पास, अभिनंदन सरोवर के पास तथा कारगिल चौक के समीप अन्य हितग्राहियों को व्यवस्थित किया जाएगा। बुधवार को कमानी गेट से गोठाना रोड तक की गई कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम, बसों एवं अन्य वाहनों के आवागमन में आने वाली बाधाओं को दूर करना था। स्थानीय नागरिकों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि आमजन की सुविधा और सुगम यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए अतिक्रमण हटाने एवं व्यवस्थित करने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस अभियान में राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन का भी पूर्ण सहयोग नगर पालिका को प्राप्त होगा।

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चे पर कांग्रेस की हार जिम्मेदार कौन

श्री राम के प्रिय केवट' ने भाजपा की नैया पार लगाकर इतिहास दोहराया

राजीव खंडेलवाल
(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास)

भूमिका । 2018 में मध्य प्रदेश में चुनी गई कमलनाथ सरकार के पतन के बाद से कांग्रेस के लिए चुनावी पराजयों का सिलसिला शुरू हुआ था, जो अब तक थमता नहीं दिख रहा। लोकसभा, विधानसभा और अब राज्यसभा चुनाव में भी कांग्रेस को ऐसे झटके लगे हैं, जिनसे उबरना उसके लिए कठिन होता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस ने राज्यसभा की सुरक्षित (तथाकथित) मानी जाने वाली सीट भी गंवा दी। इस तरह पार्टी एक बार फिर ÷जीती बाजी हारने÷ की चर्चा के केंद्र में आ गई। नामांकन निरस्त पूरा घटनाक्रम । कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारी ने पांच कारण दर्शाते हुए नामांकन निरस्त कर दिया। प्रमुख आधार यह था कि उन्होंने फॉर्म-26 में तेलंगाना की ढ्ढङ्क अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्हस्स्) की धारा 223 के तहत लंबित कार्यवाही की जानकारी नहीं दी। दूसरा कारण- शपथ पत्र में अस्पष्ट व अधूरी सील। 3 भाग दो के विवरण में विहित प्रारूप में बदलाव। 4 फार्म के भाग बी और शपथ पत्र भाग ए में परिसंपत्तियों का मूल्य अलग-अलग था।

आदेश कितना वैध ?

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत निर्धारित फॉर्म-26 में उम्मीदवार को अपने विरुद्ध लंबित समस्त आपराधिक मामलों का विवरण देना आवश्यक है। प्रश्न यह है कि धारा 223 ब्हस्स् के तहत चल रही कार्यवाही क्या ऐसे ÷आपराधिक मामले÷ की श्रेणी में आती है, जिसकी जानकारी देना अनिवार्य था? कानूनी दृष्टि से शिकायत और प्राथमिकी में जो अंतर है, वही अंतर धारा 223 के तहत प्रारंभिक न्यायिक कार्यवाही और धारा 227 के तहत विधिवत आपराधिक अभियोजन में होता है। धारा 223 के तहत कार्यवाही मात्र एक शिकायत है, जहाँ व्यक्ति को तब तक आरोपी नहीं माना जा सकता, जब तक मजिस्ट्रेट धारा ÷227÷ के तहत उसे संज्ञान में न ले। उच्चतम न्यायालय ने सतीश उके बनाम देवेंद्र फडणवीस, (2019) 9 स्ष्ट 1 में स्पष्ट किया कि धारा 33 ऋक्ष्ह्र और नियम 4 चुनाव संचालन नियम 1961 के तहत उन मामलों का खुलासा आवश्यक है, जिनमें 1. दो वर्ष या उससे अधिक दंड का प्रावधान हो और आरोप तय हो चुके हों, या 2. 1 वर्ष की सजा हो चुकी हो या 2. सक्षम न्यायालय ने संज्ञान ले लिया हो। मीनाक्षी नटराजन के मामले में मजिस्ट्रेट ने अभी तक धारा 227 के तहत आदेश पारित कर उन्हें आरोपी नहीं बनाया है। इसलिए सिर्फ धारा 223 की कार्यवाही आपराधिक प्रकरण की श्रेणी में नहीं आती और इसकी जानकारी देना अनिवार्य नहीं था। यही कानूनी स्थिति है। गलत जानकारी देने पर आपराधिक कार्रवाई कब? लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत शपथपत्र में गलत जानकारी देना या आवश्यक जानकारी छिपाना दंडनीय अपराध है। यदि निर्वाचन अधिकारी यह निष्कर्ष निकाले कि उम्मीदवार ने ÷महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया÷ है, तो धारा 125 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। इस मामले में रिटर्निंग अधिकारी ने तेलंगाना की अदालत में लंबित निजी शिकायत क्रमांक 4472/2025, धारा 223 की जानकारी छिपाने को मुख्य आधार माना। जबकि नटराजन का तर्क है कि संबंधित कार्यवाही ऐसी नहीं थी, जिसकी जानकारी देना विधिक रूप से अनिवार्य हो। भारतीय न्याय संहिता की धारा 229 और 230 के तहत भी शपथ पर मिथ्या कथन के लिए अलग से शिकायत हो सकती है। क्या भाजपा कोई पहल करेगी ? राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा या निर्वाचन आयोग धारा 125 ऋक्ष,ष्ह्र के तहत मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध कोई कानूनी पहल करेगा? कांग्रेस के रिटर्निंग अधिकारी पर भाजपा के दबाव में काम करने के आरोप को बोठल करने के लिए भाजपा को प्रत्युत्तर में आपराधिक कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए।

विभीषण कौन?

राजनीति में कहा जाता है कि ÷दीवारों के भी कान होते हैं÷। मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध लंबित निजी शिकायत की जानकारी सार्वजनिक विमर्श में कैसे आई, यह अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। इतनी विशिष्ट जानकारी कांग्रेस के अंदर बैठे ÷स्लीपिंग सेल÷ की सहायता के बिना सामने आना संभव नहीं लगता। इसी कारण ÷घर का भेदी लंका ढाए÷ कौन, इस पर

राजनीतिक पंडित कयास लगा कर नाम को लेकर चटकार ले रहे हैं।

कांग्रेस के लिए यह सीट कितनी सुरक्षित थी ?

कांग्रेस का दावा था कि चुनाव होते तो भाजपा की हार निश्चित थी। इसलिए भाजपा ने निर्वाचन अधिकारी का दुरुपयोग कर जीत सुनिश्चित की। लेकिन इस दावे की पोल तब खुल गई जब खरीद-फरोख्त के डर से कांग्रेस अपने विधायकों को विशेष विमान से कर्नाटक ले जा रही थी, तब केवल 48 विधायक ही थे। जीत के लिए न्यूनतम 58 प्रथम वरीयता मत आवश्यक थे। वहीं भाजपा के विधायक अपने क्षेत्रों में ही थे। कांग्रेस की ÷रिसॉर्ट पॉलिटिक्स÷ इस बार भी भाजपा के सामने नाकाम रही। भाजपा का यह ÷विश्वास÷ (शायद इसीलिए जनता उन पर अंधविश्वास करती है) और कांग्रेस की उक्त ÷आशंका÷ अपने आप में कहानी कह देती है।

प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता

देशहित में विपक्ष को मजबूत बनाने के लिए भाजपा, जिसे प्रशिक्षण वर्ग लगाने में महारथ हासिल है, को कांग्रेस के लिए भी एक प्रशिक्षण वर्ग लगाना चाहिए। ताकि कांग्रेस कम से कम अपनी जीती हुई बाजी को बनाए रखने में सफल हो सके।कहावत है दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है।÷ कांग्रेस को इस कहावत को सिर्फ पढ़ने नहीं, रटने की जरूरत है। दूसरी कहावत ठोकर खाकर संभालने समझने की बुद्धिमानी क्या कभी कांग्रेस में आएगी? प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड कार्यकाल पर मध्य प्रदेश का तोहफा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेहरू के 64 साल पुराने 12 वर्ष से अधिक कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ने के अवसर पर मध्य प्रदेश ने राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट का तोहफा देकर उनका वंदन, अभिनंदन किया। इसके लिए प्रदेश भाजपा और तीनों विजयी उम्मीदवारों को बधाई। निष्कर्ष । राज्यसभा चुनाव का यह मामला केवल एक नामांकन पत्र के निरस्तीकरण तक सीमित नहीं है। यह कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारी, कानूनी सतर्कता और राजनीतिक प्रबंधन तीनों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। कांग्रेस को बाजीगरी दिखाने के लिए एक ÷बाजीगर÷ की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या वह मिल पाएगा?

अशोकनगर में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत 2 दिन पहले हुई लेनदेन को लेकर हुई थी मारपीट, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

अशोकनगर संवाददाता।

अशोकनगर शहर की त्रिलोकपुरी कॉलोनी में मंगलवार शाम 35 वर्षीय नितेश उर्फ गोलू रघुवंशी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक को घर के पीछे तड़पता देख परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने हाल ही में हुए एक विवाद का हवाला देते हुए मामले में हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पिता राम सिंह रघुवंशी ने बताया कि दो दिन पहले पैसों के लेनदेन के विवाद में कुछ लोगों ने उनके बेटे गोलू के साथ मारपीट की थी और उसका मोबाइल छीनकर ले गए थे। दरअसल, गोलू को उन लोगों के पैसे चुकाने थे। पिता के अनुसार, गोलू ने उन्हें बताया था कि हमलावर घर आकर

माफी मांगने और छीना हुआ मोबाइल लौटाने की बात कह रहे थे, लेकिन वे नहीं आए। परिजनों को संदेह है कि इसी रंजिश के चलते उन्हीं लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

मां ने घर के पीछे तड़पते हुए देखा

मंगलवार शाम को नितेश की मां ने उसे घर के पीछे गंभीर हालत में तड़पते हुए देखा। आनन-फानन में परिजन उसे ऑटो में बैठाकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

मर्ग कायम, पुलिस खंगाल रही CCTV फुटेज

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मंगलवार रात को ही घटनास्थल पर पहुंच गई थी और मुआयना किया था। रात में शव को पोस्टमार्टम गृह में रखवाया गया और बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सच्चाई का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है।

अनियंत्रित होकर पलटा मजदूरों से भरा पिकअप,उन्नीस श्रमिक हुए घायल

संवाददाता

नरसिंहपुर। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 पर ढिगसरा तिराहे के पास बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बरमान क्षेत्र से मूंग की फसल काटने के लिए जा रहे मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। इस दुर्घटना में करीब उन्नीस मजदूर घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में करीब तीस से पैंतीस मजदूर सवार थे, जो ग्राम बिंदली जा रहे थे। जैसे ही वाहन ढिगसरा तिराहे के पास पहुंचा, तेज गति के कारण उसका टायर फट गया, जिससे चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और पिकअप पलट गया। वाहन पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में भर्ती घायलों में कविता धानक, संगीता, बतिबाई, तुलसा बाई, यशोदा बाई, रागिनी बाई, अंजू बाई, शांतिबाई और कृष्णा बाई सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायल खतरे से बाहर हैं। वहीं मामले में बरमान चौकी प्रभारी आशीष बोपचे ने बताया कि घटना की सूचना डायल एक सौ बारह या एक सौ आठ एम्बुलेंस को नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से मेमो प्राप्त होने के बाद मामले की जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत चिरहकला में पुलिया और नाला निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी,ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता

गाडरवारा। गाडरवारा तहसील की ग्राम पंचायत चिरहकला में गांवों के विकास के नाम पर स्वीकृत निर्माण कार्यों में भारी लापरवाही और अनियमितता का मामला सामने आया है। पंचायत में करोड़ों रूपये खर्च करने के दावों के बीच चल रहे पुलिया और नाला निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस निर्माण कार्य में तय तकनीकी मानकों का बिल्कुल भी पालन नहीं किया जा रहा है और गुणवत्ता से सरेआम समझौता किया जा रहा है। मौके पर किए गए निरीक्षण के दौरान ऐसे कई तथ्य सामने आए जो निर्माण की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिया और नाले के निर्माण में सरिया का उपयोग निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं किया गया है, जिससे इस निर्माण के भविष्य में टिकने की कोई गारंटी नहीं दिख रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय धन से कराए जा रहे इन कार्यों में यदि शुरुआत से ही ईमानदारी नहीं बरती गई, तो पहली बारिश की बौछार में ही इस निर्माण की पोल खुल जाएगी और सरकारी राशि का पूरी तरह दुरुपयोग साबित होगा। इस पूरे मामले में जब जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सवाल किए गए, तो उनकी तरफ से कोई स्पष्ट और संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सका। निर्माण कार्य की तकनीकी निगरानी की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित इंजीनियर की होती है, लेकिन मौके पर उठ रहे सवालों पर वे भी स्थिति स्पष्ट नहीं कर पाए। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि और जिम्मेदार सब इंजीनियर संतलाल डहेरिया से भी निर्माण सामग्री व तकनीकी मापदंडों को लेकर जवाब तलब करने का प्रयास किया गया। अब क्षेत्र में यह मांग तेजी से उठ रही है कि क्या प्रशासन इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करेगा या फिर यह मामला भी फाइलों में दबा दिया जाएगा।

चौगान किला परिसर में स्थित प्राचीन मंदिर का अस्तित्व खतरे में

संवाददाता

गाडरवारा/नरसिंहपुर। जिले की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का गौरव कहे जाने वाले प्राचीन चौगान किला परिसर में स्थित देव राधा-कृष्ण मंदिर इन दिनों गंभीर उपेक्षा और संरक्षण के अभाव में अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। गोंड और मराठा शासनकाल की गौरवगाथाओं को समेटे हुए यह मंदिर आज जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जिसे बचाने के लिए स्थानीय नागरिक लंबे समय से गुहार लगा रहे हैं। ग्राम पंचायत भैरोपुर की सीमा में स्थित यह स्थान सदियों से श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। इतिहास के जानकारों के अनुसार, इस मंदिर का जुड़ाव रानी दुर्गावती के कालखंड से भी है। वास्तुकला की दृष्टि से अद्वितीय इस मंदिर की दीवारें और छत अब जर्जर होने लगी हैं, जिनमें स्पष्ट दरारें देखी जा सकती हैं। प्रतिकूल मौसम और समय की मार झेल रही यह धरोहर आज अपनी मरम्मत की बाट जोह रही है। स्थानीय निवासियों एवं श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्होंने सरपंच से लेकर संबंधित सरकारी विभागों के अधिकारियों तक को इस संबंध में कई बार लिखित व मौखिक शिकायतें की हैं, परंतु अभी तक किसी ने भी इस ओर ध्यान देने की जहमत नहीं उठाई है। प्रशासन की इस उदासीनता के कारण मंदिर का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होता जा रहा है। क्षेत्र के इतिहास प्रेमियों का मानना है कि यदि इस स्थल का समय रहते जीर्णोद्धार किया जाए और यहां बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएं, तो यह क्षेत्र एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान बना सकता है। फिलहाल, क्षेत्रवासियों की निगाहें जिला प्रशासन और पुरातत्व विभाग पर टिकी हैं कि वे कब इस अनमोल धरोहर को संजोने के लिए आगे आएंगे।

घर के बाहर ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत

संवाददाता

ठेमी/गोटेगांव। जिले के ठेमी थाना अंतर्गत ग्राम मलाह पिपरिया में बुधवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से साठ वर्षीय वृद्ध की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मलाह पिपरिया निवासी भीकम पिता घूरन मेहरा बाजार से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे अपने घर के मुख्य गेट के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में कृषि कार्य के लिए मजदूर सवार थे। घटना के तुरंत बाद चालक वाहन सहित वहां से भाग निकला, जबकि ट्रॉली में सवार मजदूर भी मौके से चले गए। परिजन आनन-फानन में वृद्ध को जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया है। ठेमी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर कांग्रेस का कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना और उपवास

संवाददाता

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कलेक्ट्रेट कार्यालय के समक्ष कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने धरना देकर उपवास किया। इस अवसर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और अन्याय के विरोध में यह प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के दबाव में आकर रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त किया है, जो खुलेआम लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि देश के कानूनविद और विशेषज्ञ भी इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी और जिला कांग्रेस संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस अनुचित कार्रवाई का गांधीवादी तरीके से विरोध जारी रहेगा और पार्टी नेतृत्व इस मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जाएगा। इस राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, जनपद उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी, प्रदेश सचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ अस्सू नेमा, जिला सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला एनएसयूआई अध्यक्ष ईशान राय और युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव जितेंद्र लोधी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

श्री गणेश मंदिर में 30 जून को होगा विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

संवाददाता

नरसिंहपुर। स्थानीय श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में आगामी 30 जून मंगलवार को गणनायक फाउंडेशन के तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम यहां अपनी सेवाएं देगी। शिविर के दौरान नेत्र विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की आंखों की गहन जांच की जाएगी। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिन मरीजों में मोतियाबिंद या अन्य किसी रोग की पुष्टि होगी, उन्हें चिन्हित कर झोतेश्वर स्थित चिकित्सालय ले जाया जाएगा, जहां उनका उपचार पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा। गणनायक फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष इस तरह के सेवाभावी आयोजनों के माध्यम से समाज के वंचित और जरूरतमंद तबके को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया जाता रहा है। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे इस नेक कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को शिविर में लाकर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाएं। शिविर के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत और संगठन मजबूती पर चर्चा

संवाददाता

गाडरवारा/कौड़िया। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के गाडरवारा आगमन पर स्थानीय सेवा सदन में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति ने ढोल-धमाकों और पुष्पमालाओं के साथ उनका अभूतपूर्व अभिनंदन किया। इसी क्रम में, कौड़िया स्थित भाजपा नेता हतिप्रताप सिंह ममार के निवास पर मोर्चा की संगठनात्मक बैठक भी संपन्न हुई। दोनों कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने भाजपा के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी अंत्योदय के संकल्प के साथ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के सामाजिक व शैक्षणिक सशक्तिकरण को पार्टी की प्राथमिकता बताया। स्वागत समारोह का संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा ने किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राव उदयसिंह, जिला अध्यक्ष संदीप राव, मंडल अध्यक्ष प्रताप कौरव, रमाकांत शर्मा, राजकुमार रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल एवं वंदना पटेल सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन पर जिला अध्यक्ष संदीप राव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेकाबू डंपरों और सड़क हादसों के विरोध में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

गाडरवारा। क्षेत्र में अनियंत्रित डंपरों और तेज रफ्तार वाहनों के कारण बढ़ रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। उन्होंने हाल ही में ककरा रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में गौसेवक अमोल पटेल की असमय मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस दिशा में सख्त कदम उठाने की मांग की। समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डंपरों की गति सीमा निर्धारित करने, व्यावसायिक वाहनों के संचालन का समय रात्रि 10 बजे से सुबह 7 बजे तक करने, एनटीपीसी के भारी वाहनों के लिए गाडरवारा व साईखेड़ा में बाईपास रोड का निर्माण शीघ्र शुरू कराने और लापरवाह वाहन चालकों व मालिकों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस दौरान जीवेश चौरसिया और गोविंद सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे। कलेक्टर ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया और आम नागरिकों से सुरक्षित यातायात के नियमों का पालन करने एवं हेलमेट का उपयोग करने की अपील की।

डाइट परिसर में नवीन शैक्षणिक सत्र की तैयारियां जोर-शोर से जारी

संवाददाता

नरसिंहपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में आगामी शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। संस्थान का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छ, सकारात्मक और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिसके लिए परिसर में विशेष रूप से कार्य किए जा रहे हैं। संस्थान में %हमारी संस्था, हमारा देवालय% की भावना को आत्मसात करते हुए न्यूनतम व्यय में उपलब्ध शासकीय संसाधनों का अधिकतम व उचित उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कक्षाओं की मरम्मत, फर्नीचर की व्यवस्था, पेयजल सुविधा, हैंडवॉश प्लेटफॉर्म और खेल मैदान की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान डी.एल.एड. छात्रों और प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्टाफ के सहयोग और पूर्व प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर व्यवस्थाओं को निरंतर सुधारा जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में और अधिक निखार आ सके।

स्वास्थ्य सेवाओं के बिगड़ते हालात से मरीज बेहाल

संवाददाता

बरहटा/गोटेगांव। शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संविदा कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। आठ जून से स्टाफ नर्स, एएनएम और लैब टेक्नीशियन के कार्य से विरत होने के कारण मरीजों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। लैब टेक्नीशियन के नहीं होने से गर्भवती महिलाओं की खून जांच सहित अन्य आवश्यक पैथोलाजी सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। इस भीषण गर्मी में महिलाओं को जांच के लिए 26 किलोमीटर दूर तहसील या जिला मुख्यालय जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार वर्तमान में मरीजों को दवा वितरण का कार्य सुपरवाइजर ममता ठाकुर और नेत्र सहायक नर्स द्वारा किया जा रहा है, जबकि प्रसव सेवाओं का जिम्मा उप स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम संभाल रही हैं। चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. के. मेहरवार का कहना है कि वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए सेवाएं देने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन लैब बंद होने से मरीजों की परेशानियां कम नहीं हो रही हैं।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में फूंका उत्साह

संवाददाता

कौड़िया। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कौड़िया में स्थित भाजपा नेता हतिप्रताप सिंह ममार के निवास पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक संपन्न हुई। इस आयोजन में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक और मंडल अध्यक्ष प्रताप कौरव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने तथा आगामी संगठनात्मक अभियानों की समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि भाजपा सरकार की जनहितैषी नीतियों के कारण देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं ताकि उनका लाभ जन-जन को मिल सके। इस अवसर पर रमाकांत शर्मा, राजकुमार रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, वंदना पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चाट-फुल्की दुकान में सिलेंडर की आग से मची अफरा-तफरी

संवाददाता

गोटेगांव। नगर के स्टेशन रोड रामनगर स्थित चाट-फुल्की की दुकान में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब गैस सिलेंडर से अचानक आग लग गई। सिलेंडर में हुए लीकेज के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। दुकानदार योगेश साहू ने अपनी जान जोखिम में डालकर साहस का परिचय दिया और समय रहते आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इस दौरान योगेश खुद भी झुलस गए, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। समय रहते दिखाई गई इस सूझबूझ के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस घटना के बाद नगर में नियमों के उल्लंघन का मुद्दा फिर गरमा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुकान में व्यावसायिक उपयोग के बजाय घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। नगर की चौपाटी सहित अन्य कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से घरेलू सिलेंडर उपयोग में लाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जिम्मेदार विभाग के अधिकारी इस गंभीर मामले में पूरी तरह से बेपरवाह बने हुए हैं, जिसके चलते कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। जनता ने खाद्य विभाग और जिला प्रशासन से सख्त कार्यवाही की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि नियमों के अनुसार व्यावसायिक गतिविधियों के लिए केवल 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग ही अनिवार्य है, बावजूद इसके प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने यह भी मांग उठाई है कि नगर की सभी दुकानों में फायर सेफ्टी के उपकरण अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

बापोली आश्रम में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का हुआ आयोजन

संवाददाता

गाडरवारा। नर्मदा के पावन तट स्थित बापूजी ब्रह्मचारी महाराज (बापोली) के आश्रम में पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वाधान में नवत्रिशा युवती मंडल नर्मदा संभाग द्वारा एक भव्य धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन किया गया। आध्यात्मिक चेतना और नारी सशक्तिकरण को समर्पित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी निभाई। आयोजन का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। तत्पश्चात पूज्य ब्रह्मचारी महाराज ने अधिक मास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन मंत्री अनीता जावंधिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शोभा लाहोटी और प्रदेश अध्यक्ष राजश्री राठी का स्वागत-सम्मान किया गया। इस दौरान गौ-पूजन, पौधारोपण, कन्या पूजन, मां नर्मदा पूजन और चुनरी मनोरथ जैसे अनुष्ठान संपन्न हुए। साथ ही, 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने दीपदान में भाग लिया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री अनीता जावंधिया ने उपस्थित सदस्यों को समर्पण भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया। इस दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, गौ संरक्षण, प्लास्टिक निषेध और जल संवर्धन जैसे विषयों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। सांस्कृतिक सत्र में गीतिका काबरा के निर्देशन में मां नर्मदा के प्राकट्य पर आधारित नाटिका और पिपरिया समूह द्वारा महारास की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन गुंजन राठी ने किया। इस आयोजन की व्यवस्थाओं में सुधा पलोड़, गरिमा काबरा, लक्ष्मी काबरा, अनुराधा काबरा और तृप्ति पलोड़ का विशेष योगदान रहा।

नीतेश गुप्ता को अखिल भारतीय गहोई नवयुवक मंडल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

संवाददाता

गाडरवारा। नगर के युवा व्यापारी और गहोई समाज में सक्रिय योगदान देने वाले नीतेश गुप्ता को अखिल भारतीय गहोई नवयुवक मंडल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से समाज के वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं में हर्ष का माहौल है। नीतेश गुप्ता की इस उपलब्धि पर नगर के गणमान्य जनों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है। शुभचिंतकों का मानना है कि नीतेश गुप्ता के नेतृत्व में संगठन और अधिक सक्रिय होगा, जिससे समाज के युवा वर्ग को एक नई दिशा मिलेगी और सामाजिक कल्याण के कार्यों को गति प्राप्त होगी। इस अवसर पर अनेक लोगों ने उनका मुंह मीठा कराकर प्रसन्नता व्यक्त की।

फार्मर आईडी में खसरा नंबर दर्ज न होने से किसान परेशान

संवाददाता

नरसिंहपुर। ग्राम रोसरा (बावली) निवासी किसान मनोज कुमार स्वामी ने कलेक्टर को आवेदन देकर फार्मर आईडी में छूटे खसरा नंबर जोड़ने की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनकी 3.3770 हेक्टेयर कृषि भूमि में से केवल खसरा नंबर 45/3 ही पोर्टल पर दिखाई दे रहा है, जबकि अन्य खसरा नंबर दर्ज नहीं हैं। इसके कारण वे ई-टोकन के माध्यम से खाद की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। किसान ने शीघ्र सुधार की मांग की है।

खाली प्लॉट में कचरे का ढेर, रहवासियों ने लगाई सफाई की गुहार

संवाददाता

नरसिंहपुर। पुराना नेहरू वार्ड निवासी सुविज्ञ अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर घर के पीछे खाली प्लॉट में जमा कचरे और नालियों की सफाई न होने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से कचरा नहीं उठाए जाने से दुर्गंध फैल रही है और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्लॉट की बाउंड्रीवॉल निर्माण और नियमित सफाई कराने की मांग की है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चयन में अनियमितता का आरोप

संवाददाता

नरसिंहपुर। ग्राम सालीचौका निवासी वेबी सोनी ने महिला एवं बाल विकास विभाग को आवेदन देकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चयन सूची में अनियमितता की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि अनंतिम सूची में प्रथम वरीयता पर नाम होने के बावजूद बाद में अपात्र आवेदिका का नाम जोड़कर उन्हें लाभ पहुंचाया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

होम लोन बकाया होने पर मकान में लगा ताला,सहायता की मांग

संवाददाता

नरसिंहपुर। ग्राम उमरिया (चिनकी) निवासी मिट्ठूलाल वंशकार ने कलेक्टर को आवेदन देकर मकान का ताला खुलवाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पारिवारिक परिस्थितियों के कारण कुछ किश्तें जमा नहीं हो सकीं, जिसके बाद फाइनेंस कंपनी ने मकान में ताला लगा दिया। उन्होंने किश्तों का पुनर्गठन कर भुगतान की सुविधा देने की मांग की है।

वन विभाग में शामिल भूमि का मुआवजा दिलाने ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

नरसिंहपुर। ग्राम मलकुही के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर वन विभाग के अंतर्गत जा रही भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी भूमि वन विभाग में शामिल हो रही है, लेकिन अब तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की मांग की है।

सीमांकन में गड़बड़ी का आरोप, पुनः नाप कराने की मांग

संवाददाता

नरसिंहपुर। छोटा छिंदवाड़ा निवासी यशवंत सिंह लोधी ने सीमांकन कार्य में अनियमितता की शिकायत की है। उनका आरोप है कि भूमि का सीमांकन निर्धारित चौहद्दी के अनुसार नहीं किया गया। उन्होंने त्रुटिपूर्ण सीमांकन को निरस्त कर पुनः सही नाप कराने की मांग की है।

समग्र आईडी में जाति सुधार के लिए दिया आवेदन

संवाददाता

नरसिंहपुर। ग्राम बरमान कला निवासी भगवानदास प्रजापति ने समग्र आईडी में दर्ज जाति संबंधी त्रुटि सुधारने के लिए आवेदन दिया है। उनका कहना है कि उनकी जाति प्रजापति (कुम्हार) होने के बावजूद समग्र आईडी में गलत वर्ग दर्ज हो गया है। उन्होंने संबंधित विभाग से रिकॉर्ड दुरुस्त करने की मांग की है।

खिरकिया–सिराली प्रशासन में उठते सवाल– आवास आवंटन से लेकर वर्षों की पदस्थापना तक, जवाब तलाश रही जनता

खिरकिया/सिराली (हरदा)। हरदा जिले के खिरकिया और सिराली क्षेत्र में हाल के दिनों में सामने आए कुछ प्रशासनिक मामलों ने स्थानीय स्तर पर चर्चा का माहौल बना दिया है। शासकीय आवास आवंटन, पदस्थापना आदेशों के क्रियान्वयन तथा कुछ कर्मचारियों के लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत रहने जैसे विषयों को लेकर नागरिकों और प्रशासनिक जानकारों के बीच विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इन मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पारदर्शिता और प्रक्रिया को लेकर जिज्ञासाएं लगातार बढ़ रही हैं।

संविदा कर्मचारी को मिला शासकीय आवास, प्रक्रिया पर उठे सवाल

चर्चा की शुरुआत उस समय हुई जब खिरकिया में एक संविदा कर्मचारी जयदीप विश्वकर्मा को शासकीय आवास ॥-2 आवंटित किए जाने का आदेश सामने आया। आवास आवंटन सक्षम प्राधिकारी का अधिकार क्षेत्र है और यह प्रशासनिक आवश्यकता तथा नियमों के अनुरूप किया जाता है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों का कहना है कि यदि आवंटन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो तो अनावश्यक चर्चाओं पर स्वतः विराम लग सकता है।

लोग यह जानना चाहते हैं कि आवास आवंटन की प्रक्रिया में पात्रता, प्राथमिकता और उपलब्धता जैसे मापदंड किस प्रकार लागू किए गए। हालांकि इस संबंध में कोई विवाद या शिकायत आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है।

पदस्थापना आदेशों के क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा

इसी बीच सोनू यादव से संबंधित पदस्थापना आदेश को लेकर भी चर्चाएं सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर यह जिज्ञासा व्यक्त की जा रही है कि जारी आदेशों की वर्तमान स्थिति क्या है और उनका क्रियान्वयन किस स्तर तक हुआ है।

प्रशासनिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बार पदस्थापना आदेशों के पालन में विभागीय प्रक्रियाएं, कार्यभार हस्तांतरण और प्रशासनिक आवश्यकताएं प्रभाव डालती हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले अधिकृत जानकारी का इंतजार किया जाना चाहिए।

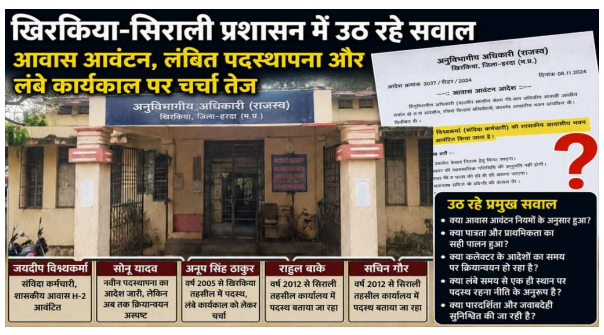

दो दशक से अधिक का कार्यकाल बना चर्चा का विषय

खिरकिया तहसील में पदस्थ अनूप सिंह ठाकुर का नाम भी इन दिनों चर्चाओं में है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार वे लंबे समय से खिरकिया क्षेत्र में विभिन्न प्रशासनिक दायित्व निभा रहे हैं। इसी आधार पर कुछ लोग स्थानांतरण नीति और लंबे कार्यकाल के संबंध में सवाल उठा रहे हैं।

हालांकि प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि किसी कर्मचारी का लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में कार्यरत रहना अपने आप में नियम विरुद्ध नहीं माना जा सकता। इसके पीछे विभागीय आवश्यकताएं और प्रशासनिक निर्णय भी कारण हो सकते हैं।

सिराली तहसील के दो कर्मचारियों को लेकर भी चर्चाएं तेज

खिरकिया के साथ-साथ सिराली तहसील कार्यालय में पदस्थ बताए जा रहे राहुल बाके और सचिन गौर को लेकर भी चर्चाएं सामने आई हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार दोनों कर्मचारी वर्ष 2012 से सिराली क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। इस जानकारी के बाद कुछ लोगों द्वारा यह सवाल उठाया जा रहा है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने के संबंध में विभागीय नीति क्या कहती है।

हालांकि इन चर्चाओं के बीच यह भी सच है कि किसी कर्मचारी की सेवा अवधि, पदस्थापना और स्थानांतरण संबंधी निर्णय पूरी तरह विभागीय अधिकार क्षेत्र के विषय होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति केवल अधिकृत अभिलेखों से ही स्पष्ट हो सकती है।

पारदर्शिता से खत्म हो सकती हैं चर्चाएं

प्रशासनिक मामलों पर नजर रखने वाले जानकारों का मानना है कि यदि आवास आवंटन, पदस्थापना और स्थानांतरण जैसे विषयों से जुड़ी जानकारी समय-समय पर सार्वजनिक की जाए तो भ्रम और चर्चाओं की स्थिति काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

वर्तमान में जयदीप विश्वकर्मा, सोनू यादव, अनूप सिंह ठाकुर, राहुल बाके और सचिन गौर से जुड़े विषय स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि संबंधित विभाग इन विषयों पर कोई तथ्यात्मक स्पष्टीकरण जारी करता है या नहीं।

लोगों के मन में उठ रहे प्रमुख प्रश्न

शासकीय आवास आवंटन की प्रक्रिया में क्या-क्या मापदंड अपनाए गए?

जारी पदस्थापना आदेशों की वर्तमान स्थिति क्या है?

लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ कर्मचारियों के संबंध में विभागीय नीति क्या कहती है?

क्या प्रशासन इन विषयों पर विस्तृत तथ्यात्मक जानकारी सार्वजनिक करेगा?

बड़ा सवाल

आखिर जब प्रशासनिक प्रक्रियाएं नियमों के तहत संचालित होती हैं, तो फिर इन्हें लेकर बार-बार सवाल क्यों उठ रहे हैं? क्या केवल जानकारी के अभाव में चर्चाएं जन्म ले रही हैं, या फिर लोगों को अधिक पारदर्शिता की अपेक्षा है?

इन सवालों के जवाब भविष्य में विभागीय स्पष्टीकरण के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगे।

बौछार में समस्याओं का मायाजाल,पेयजल टंकी के पास कचरा घर से बढ़ी चिंता

संवाददाता

नरसिंहपुर। गोटेगांव क्षेत्र के ग्राम बौछार में ग्रामीण इन दिनों पेयजल, स्वच्छता और जल निकासी जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बरसात से पहले समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जहां पेयजल टंकी बनाई गई है, उसके ठीक समीप पंचायत द्वारा कचरा संग्रहण केंद्र भी स्थापित कर दिया गया है। वहीं कृषि उपज मंडी कार्यालय भी इसी क्षेत्र में स्थित है। पेयजल स्रोत के निकट कचरा घर होने से लोगों को पानी की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर चिंता सता रही है। गांव में गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था भी बदहाल बनी हुई है। कई स्थानों पर नालियां टूटी और अधूरी पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों और गलियों में जमा हो रहा है। कीचड़ और दुर्गंध के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। इससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले पेयजल टंकी के आसपास स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, कचरा संग्रहण केंद्र को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए तथा टूटी नालियों की मरम्मत कर नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे जनकल्याण कार्यक्रम -प्रहलाद पटेल

संवाददाता

नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्राम नकटुआ में अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) एवं कायाकल्प योजना के तहत छह सड़कों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जनसंवाद, स्वच्छता, पौधरोपण और विकास कार्यों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री श्री पटेल ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और नशामुक्ति पर जोर देते हुए नागरिकों से पौधरोपण एवं स्वच्छता अभियान में सहभागी बनने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।

मानसून तैयारियों की समीक्षा, जर्जर भवन हटाने के निर्देश

संवाददाता

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए जर्जर स्कूल, आंगनवाड़ी एवं अन्य सार्वजनिक भवनों को प्राथमिकता से ध्वस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से तीन दिन के भीतर क्षतिग्रस्त भवनों की सूची लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में नगरीय निकायों को जर्जर भवन चिन्हित कर कार्रवाई करने, डूब प्रभावित गांवों की पहचान करने, पुल-पुलियों व जोखिम वाले स्थलों पर चेतावनी बोर्ड लगाने तथा नालों-नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

संवाददाता

नरसिंहपुर। खनिज विभाग ने जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े हैं। प्रकरण दर्ज कर वाहनों को साईंखेड़ा एवं स्टेशनगंज थाना पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है।

आधार शिविरों में 221 लोगों को मिली सुविधा

संवाददाता

नरसिंहपुर। जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर लगाए गए 9 विशेष आधार शिविरों के माध्यम से 221 नागरिकों के आधार अपडेट एवं नए आधार कार्ड बनाए गए। इनमें 92 बायोमेट्रिक अपडेट, 28 डेमोग्राफिक अपडेट तथा 95 नए आधार कार्ड शामिल हैं।

आईटीआई तेंदूखेड़ा में रिक्त सीटों पर 30 जून तक आवेदन

संवाददाता

नरसिंहपुर। शासकीय आईटीआई तेंदूखेड़ा में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। संस्था में इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कोपा, स्टेनोग्राफर एवं हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर ट्रेड में सीटें उपलब्ध हैं।

प्रेरणा कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन, कृष्णा नेमा राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

संवाददाता

नरसिंहपुर। सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर के कक्षा 9वीं के छात्र कृष्णा नेमा ने प्रेरणा कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर विद्यालय तथा जिले का नाम गौरवान्वित किया है। जानकारी के अनुसार, जनवरी 2026 में आयोजित चयन प्रक्रिया के लिए कृष्णा नेमा को नवोदय विद्यालय बोहानी भेजा गया था। वहां उन्होंने अपनी प्रतिभा, रचनात्मक सोच एवं प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया, जिसके आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया। नवोदय विद्यालय

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

अब एक कॉल पर मिलेगी सहायता, शिकायतों के त्वरित निराकरण की होगी प्रभावी व्यवस्था

भोपाल

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी। भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती यादव प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे निःसंकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। श्रीमती स्थापक ने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता, गंभीरता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी, जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके। आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने बताया कि हेल्पलाइन महिलाओं की शिकायतों के पंजीयन, मार्गदर्शन, परामर्श तथा संबंधित मामलों के फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगी। इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनेगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक अलंकृत कुमार दुबे द्वारा जन विचार प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स 43 चिकलोद रोड जहांगीराबाद भोपाल मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं पी-40 संत आशाराम नगर बागमुगालिया भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- अनिल कुमार दुबे, प्रसार प्रबंधक त्रिवेणी यादव (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) **RNI MPHIN/2020/79488 Phone 7415501522 Email: nishpakshmat@gmail.com**